E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 117 | प्रयागराज, बुधवार 22 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

पीएम आवास के पास कांग्रेस का धरना,राहुल बोले- प्रधानमंत्री इस्तीफा दें, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बात करने पहुंचे, कई कांग्रेसी हिरासत म

नयी दिल्ली। पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के कई नेता दिल्ली में पीएम आवास के पास दोपहर करीब साढ़े 3 बजे से धरने पर बैठे हैं। इनमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हैं। कांग्रेसी पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के बीच यहां पुलिस ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा। राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर से पीएम आवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे। जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई। इधर, कांग्रेस के प्रदर्शनकारी नेताओं से बातचीत करने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह पहुंच गए हैं। वे राहुल गांधी से चर्चा कर रहे हैं। राहुल गांधी, प्रियंका, चरणजीत चन्नी समेत कांग्रेसी पीएम और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगा रहे थे। पुलिस राहुल गांधी से धरने वाली जगह से हटने की अपील कर रही थी, लेकिन राहुल ने उन्हें अपने बंधे हुए हाथ दिखा दिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदर्शन के दौरान सांकेतिक रूप से अपने हाथ बांध रखे थे। हंगामा बढ़ने के बाद

पुलिस ने प्रदर्शनकर रहे कांग्रेसी नेताओं को हिरासत में लिया है। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को गाड़ियों में जबरन बैठाया है। इन्हें कहां लेकर जा रहे हैं, इसकी जानकारी नहीं है। खड़गे ने जन्मदिन न मनाने का ऐलान कियाः मंगलवार को सुबह से ही पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया पर खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी। लेकिन इसके तुरंत बाद खड़गे ने ऐलान किया कि वे छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में जन्मदिन नहीं मनाएंगे। बधाई देने के बहाने सीक्रेट मीटिंगः दोपहर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई बड़े कांग्रेस नेता खड़गे के सरकारी आवास पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को यही लगा कि नेता केवल खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए जुटे हैं। सरप्राइज मार्च की शुरुआतः खड़गे के आवास से प्रधानमंत्री आवास की दूरी महज 1 किलोमीटर है। बैठक खत्म होते ही सभी नेता गाड़ियों में बैठने के बजाय अचानक पैदल ही मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े। दूरी कम होने के कारण जब तक दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बल एक्टिव होते और बैरिकेड्स लगाते, तब तक कांग्रेस नेता पीएम आवास के पास तक पहुंच चुके थे। दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं होती- दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाती है। यह एक अत्यधिक संवेदनशील और वीवीआईपी क्षेत्र है, जहां भारत के प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास है। इस क्षेत्र में अक्सर निषेधाज्ञा लागू रहती है, जिसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने या मार्च निकालने पर सख्त पाबंदी होती है। प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) तैनात रहता है, जिसे दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों (पैरामिलिट्री फोर्सेज) का सहयोग मिलता है। राहुल ने पोस्ट किया- प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए, बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे - नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं। मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूं जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए- प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों। भारत के छात्रों की आवाज को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल, कहा- सुरक्षा को देखते हुए देर से जानकारी दी

ईरान के 9 शहरों पर अमेरिकी हमले

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान

के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को सिर पर हल्की चोट लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए। ईरान की लेबर न्यूज एजेंसी के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेंगेह, बुशेहर, चाबहार, केश्म द्वीप, सीरिक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

सीजेपी पार्टी फाउंडर बोले- बात करने सरकार खुद आए, शरद-सुप्रिया,केजरीवाल जंतर-मंतर पहुंचे

सोनम वांगचुक को लेने मेदांता की एंबुलेंस सफदरजंग पहुंची

नयी दिल्ली। दिल्ली के जंतर-

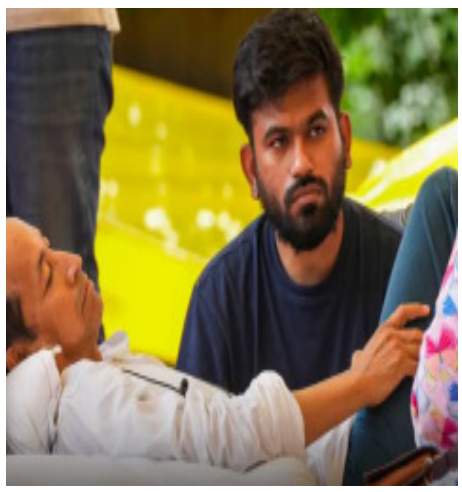

मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। दीपके बोले- उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों को एक तरह से जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था। दीपके का कहना है कि अब वे सरकार से फिर बातचीत करने नहीं जाएंगे। अब सरकार को यहां जंतर-मंतर पर आना होगा। इधर, जंतर मंतर पर विपक्षी नेता सुप्रिया सुले, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल सीजेपी के प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंच गए हैं। वे उनके सोमवार के घटनाक्रम की जानकारी ले रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल के बाहर मेदांता की एम्बुलेंस दिखाई दे रही है, जो एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को मेदांता ले जाने के लिए पहुंची है। जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। दीपके बोले- उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। उनके मोबाइल जब्त कर लिए। आशुतोष रांका और सौरव दास को एक तरह से जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था।' उन्होंने आरोप लगाया, 'पूरा प्लान टीम को तितर-बितर करने का था, ताकि जब अफरा-तफरी मचे तो कोई वहां न हो। इसीलिए उन्होंने उन्हें पांच घंटे तक बिठाए रखा और हमारा समय बर्बाद किया। एक तरफ तो आप बातचीत के लिए बुलाते हैं और दूसरी तरफ छात्रों पर लाठियां बरसाते हैं।' हालांकि केंद्र सरकार ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कांग्रेस ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास से पीएम आवास तक मार्च निकालने और धरना देने की सीक्रेट प्लानिंग की थी। दरअसल, आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का 84वां जन्मदिन है। रिपोर्ट्स के अनुसार कांग्रेस सांसदों को खड़गे का जन्मदिन मनाने के लिए उनके आवास पर बुलाया गया। जब सब वहां एकत्र हुए, तभी वहां तय किया गया कि पीएम आवास तक मार्च करते हुए जाएंगे और पीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- वे (सरकार) छात्रों की बात नहीं सुनते। यह गुंडागर्दी है, सरासर गुंडागर्दी है। यह मनमानी से कम नहीं है।

नेपाल में एक रुपए के सिक्के से विवादित-नक्शा नहीं हटेगा, नई डिजाइन का प्रस्ताव लौटाया, इसमें भारत के इलाकों को अपना दिखाया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने एक रुपए के सिक्के से विवादित राष्ट्रीय नक्शा हटाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस नक्शे

में भारत के लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने पहले प्रस्ताव रखा था कि एक रुपए के सिक्के पर छपे नेपाल के विवादित नक्शे की जगह मुस्तांग के ऐतिहासिक मठ की तस्वीर लगाई जाए। इस नक्शे को सिक्के से हटाने की खबर जैसे ही बाहर आई, इसका विरोध होने लगा। इसके बाद मंत्रालय ने नेपाल राष्ट्र बैंक को निर्देश दिया कि डिजाइन में बौद्ध मठ के साथ नेपाल का राष्ट्रीय नक्शा भी शामिल किया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव दोबारा मंजूरी के लिए भेजा जाए। इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि नेपाल सरकार ने एक रुपये के नए सिक्के को मंजूरी दे दी है। मौजूदा सरकार बनने से पहले ही प्रस्ताव तैयार हुआ-अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रस्ताव मौजूदा सरकार बनने से पहले तैयार होना शुरू हो गया था। इसका मकसद नेपाल की मुद्रा पर देश की अलग-अलग सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को जगह देना था। नेपाल राष्ट्र बैंक के एक अधिकारी ने कहा-'नेपाल के कई नोटों और सिक्कों पर पहले से ही पशुपतिनाथ मंदिर और जानकी मंदिर जैसे हिंदू धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की तस्वीरें हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूक्रेन में शिप पर हमलें से 4 भारतीयों की मौत, भारत ने कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना बनाना गलत

यूक्रेन बोला- रूसी मिसाइलों से हमला हुआ

कीव। यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हुए कार्गो जहाज 'एमवी गोल्डन लियो' पर रविवार को हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों

की मौत हो गई। एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने रूस के राजदूत को तलब किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा कि कारोबारी जहाजों और बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय दूतावास लगातार यूक्रेनी अधिकारियों के संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। उधर, यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक गोल्डन लियो जहाज ओडेसा से मक्का लेकर रवाना हुआ था। पोर्ट से निकलने के कुछ देर बाद उस पर तीन रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। यूक्रेन की नौसेना ने कहा कि हमले के बाद जहाज में आग लग गई। जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 5 भारतीय-विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 19 जुलाई की शाम अफ्रीकी देश गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर हमला हुआ। उस समय जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर थे, जिनमें पांच भारतीय शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने मारे गए भारतीयों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायल भारतीय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा-'भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है। कारोबारी जहाजों और निर्दोष नागरिक क्रू को निशाना बनाना या समुद्री व्यापार और नेविगेशन की आजादी में बाधा डालना निंदनीय है और इससे बचा जाना चाहिए।' वहीं, यूक्रेन के समुद्री बंदरगाह प्राधिकरण के मुताबिक घटना के बाद पूरी रात सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हमले में नौ क्रू मेंबर और एक समुद्री पायलट की मौत हुई, जबकि 17 में से आठ क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया।ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर-यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है।2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है। यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। वैश्विक अनाज कारोबार पर भी असर-यूक्रेन दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का करीब 6फीसदी और मक्का निर्यात का लगभग 11फीसदी हिस्सा देता है। लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ब्लैक सी के जरिए होने वाला यूक्रेन का अनाज निर्यात करीब एक-तिहाई तक प्रभावित हुआ है। दूसरी तरफ यूक्रेनी हमलों का असर रूस के अनाज कारोबार पर भी पड़ा है। रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेन के हमलों के कारण रूस को सी ऑफ एजोव के रास्ते होने वाली जहाजों की आवाजाही सीमित करनी पड़ी है।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत,कुछ अभी भी फंसे

मलबे से सुरंग बंद, रेस्क्यू करने गए कुछ वर्कर बेहोश

गंगटोक। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ। बंगाल से स्पेशल रेस्क्यू टीम फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है। एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। यह टनल तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के लिए पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी। मीथेन गैस से बड़ा खतरा क्या है? जवाबः मीथेन जहरीली गैस नहीं होती, लेकिन बंद सुरंग में यह ऑक्सीजन की मात्रा कम कर सकती है। ऑक्सीजन घटने पर दम घुटने और बेहोशी का खतरा बढ़ जाता है। अगर गैस चिंगारी संपर्क में आए तो आग लग सकती है या विस्फोट हो सकता है। टनल में रेस्क्यू इतना मुश्किल क्यों होता है? जवाबः टनल में रेस्क्यू सामान्य रेस्क्यू से अलग होता है। यहां जगह कम होती है और खतरे ज्यादा होते हैं।

इस हफ्ते कई देशों पर टैरिफ लगा सकते हैं ट्रम्प, 10फीसदी वाला टैरिफ शुक्रवार को खत्म हो रहा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दर्जनों देशों पर नए टैरिफ लगाने की तैयारी में हैं। फाइनेंशियल टाइम्स ने मंगलवार को रिपोर्ट दी कि नए टैरिफ इसी हफ्ते लागू किए जा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का अस्थायी 10फीसदी ग्लोबल टैरिफ शुक्रवार को खत्म होने वाला है। इसके बाद दर्जनों देशों पर नए शुल्क लगाए जाने की संभावना है। एफटी के अनुसार, सबसे पहले लगाए जाने वाले नए टैरिफ की दर मौजूदा 10फीसदी टैरिफ के करीब रहने की उम्मीद है।

हालांकि, अमेरिकी प्रशासन कुछ अन्य जांच भी कर रहा है। इन जांचों के जरिए ज्यादा टैरिफ लगाने के लिए कानूनी आधार तैयार किया जा सकता है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नए टैरिफ किन देशों पर लगाए जाएंगे और उनकी अंतिम दर क्या होगी।

चीन में डिलीवरी बॉय को सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान मिला-ग्राहक की डांट के बाद बने लेखक, खाना पहुंचाते हुए कई कविताएं लिखा

बीजिंग। चीन में फूड डिलीवरी का काम करने वाले 56 वर्षीय वांग जिबिंग को देश के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मानों में से एक लू

शुन साहित्य पुरस्कार मिला है। उनकी कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को यह सम्मान दिया गया है। इस किताब की कई कविताएं उन्होंने फूड डिलीवरी के बीच मिले खाली समय में कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर लिखी थीं। वांग 2019 के आसपास फूड डिलीवरी राइडर बने थे। उनकी कविताएं सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुए। उनकी नई किताब रोजमर्रा की परेशानियों, संघर्ष और जीवन पर आधारित है। यह किताब उन्होंने 2024 में प्रकाशित की थी। इसके लिए उन्होंने करीब 200 डिलीवरी राइडर्स से बातचीत की और उनके अनुभवों को अपनी कविताओं में दर्ज किया। उनकी एक कविता की पंक्ति है-'किसने कहा कि पंख फैलाने का मतलब सिर्फ ऊंची उड़ान भरना है? नीचे उड़ना भी उड़ान ही है।' कस्टमर से मिली फटकार के बाद लिखी कविता-वायरल हुई. वांग का जन्म चीन के जियांगसू प्रांत में हुआ था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

गुना की वरिष्ठ महिला शक्ति सीमा सेन बनी जिलाध्यक्ष, मेहनत से हासिल की बड़ी जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गुना। जनसहायता मानवाधिकार

लोक सेवा सुरक्षा परिषद द्वारा गुना जिले की वरिष्ठ महिला समाजसेवी,देहदानी सीमा सेन को संगठन में गुना की जिलाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। उनकी इस नियुक्ति से संगठन के कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है। सीमा सेन लंबे समय से सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकुशलता एवं समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है। अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सीमा सेन ने कहा कि वे अपनी इस उपलब्धी का श्रेय अपने माता पिता को देती है, जिनके संस्कार, शिक्षा और प्रेरणा ने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान की।यहां तक लाने में सहयोग पति का रहा है।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मा0 न्यायालय के आदेश पर 'सिटी म्युचुअल बैंक' के नाम पर भोले-भाले निवेशकों को अधिक लाभ एवं भारी मुनाफे का प्रलोभन देकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले अभियुक्त की अपराध से अर्जित लगभग रु1.31 करोड़ मूल्य की अचल सम्पत्ति कुर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध

चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अनपरा श्री प्रणय प्रसून श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में थाना अनपरा पुलिस द्वारा धोखाधड़ी एवं जालसाजी के प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अभियुक्त द्वारा अपराध से अर्जित रु1,31,25,276/- मूल्य की अचल सम्पत्ति कुर्क की गयी। उक्त कार्रवाई थाना अनपरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-149/2025, धारा-318(4), 338, 336(3), 340(2), 316(2) बी.एन.एस. से सम्बन्धित प्रकरण में की गयी। विवेचना के दौरान अभियुक्त भागीरथी मौर्या पुत्र रमापति मौर्या निवासी मुँहकुचवां राजपुर थाना कोतवाली देहात जनपद मीरजापुर, हाल पता पद्मिनि होटल के पास मुर्धवा रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध से अर्जित सम्पत्ति को चिन्हित कर नियमानुसार कुर्की की कार्रवाई हेतु मा0 न्यायालय अपर सिविल जज (सी0डि0/ए0सी0जे0एम0 सोनभद्र) के समक्ष अन्तर्गत धारा-107 बी.एन.एस.एस. के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया। मा0 न्यायालय द्वारा मुकदमा संख्या-767/26 राज्य बनाम भागीरथी मौर्या के प्रकरण में अन्तर्गत धारा-107 बी.एन.एस.एस. दिनांक 15.07.2026 को कुर्की/जब्ती आदेश पारित किया गया। उक्त आदेश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी दुद्धी श्री रवि पासवान एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में अभियुक्त की निम्न सम्पत्तियों को नियमानुसार कुर्क/जब्त किया गया। कुर्क सम्पत्ति का विवरण-1. आराजी संख्या-557ग, रकबा-0.0195 हे0, स्थित मुर्धवा, परगना व तहसील दुद्धी, जनपद सोनभद्र। अनुमानित मूल्य-रु17,55,000/-,2. उक्त आराजी पर स्थित मकान-अनुमानित मूल्य-रु1,09,60,276.71/-, 3. आराजी संख्या-97क रकबा-0.273 हे0, स्थित मौजा कटौधी, परगना व तहसील दुद्धी, जनपद सोनभद्र। अनुमानित मूल्य-रु4,10,000/-, कुल कुर्क सम्पत्ति का अनुमानित मूल्य-रु1,31,25,276/- (लगभग रु1.31 करोड़ से अधिक) अपराध का विवरण- उल्लेखनीय है कि अभियुक्त भागीरथी मौर्या द्वारा 'सिटी म्युचुअल बैंक' नाम से कम्पनी संचालित कर क्षेत्र के भोले-भाले निवेशकों को अधिक लाभ एवं भारी मुनाफे का प्रलोभन देकर धनराशि निवेश करायी गयी। अभियुक्त द्वारा निवेशकों को आकर्षक लाभ देने का विश्वास दिलाकर करोड़ों रुपये की धनराशि प्राप्त की गयी, लेकिन समयावधि पूर्ण होने के उपरान्त निवेशकों की धनराशि वापस नहीं की गयी। विवेचना के दौरान प्रकाश में आया कि अभियुक्त द्वारा कूटरचित तरीके एवं धोखाधड़ी से अर्जित धनराशि से उक्त सम्पत्तियां क्रय की गयी थीं, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा सम्पत्ति कुर्क की गयी। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0-149/2025, धारा-318(4), 338, 336(3), 340(2), 316(2) बी.एन.एस., थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र। 2. मु0अ0सं0-54/2025, धारा-316(5), 318(4), 319(2), 351(2), 352 बी.एन.एस. एवं 61(2) बी.एन.एस., थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 3. मु0अ0सं0-1132/2025, धारा-316(2), 351(2), 352 बी.एन.एस., थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।4. मु0अ0सं0-854/2025, धारा-316(2), 351(2), 352 बी.एन.एस. एवं धारा-3(1)द,ध व 3(2)(v) एससी/एसटी एक्ट, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।5. मु0अ0सं0-163/2024, धारा-115(2), 117(2), 351(2), 352 बी.एन.एस., थाना कोतवाली देहात, जनपद मीरजापुर। कुर्की की कार्रवाई करने वाली टीम-1. उपजिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान जनपद सोनभद्र। 2. क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय जनपद सोनभद्र। 3. प्रभारी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र मय पुलिस टीम। सोनभद्र पुलिस अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु प्रतिबद्ध है।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाईः-मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं हूटर के विरुद्ध चला विशेष अभियान, 620 अवैध उपकरणों का किया गया विनष्टीकरण

ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सोनभद्र पुलिस की सख्त कार्रवाई,70 मॉडिफाइड साइलेंसर, 450 प्रेशर हॉर्न एवं 100 हूटर किए गए नष्ट,तेज आवाज में अश्लील एवं भड़काऊ गाने बजाने वालों को भी दी गई कड़ी चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर पुलिस

महानिदेशक, यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी यातायात श्री राज सोनकर के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 18.04.2026 से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को जनपद की यातायात पुलिस एवं जनपदीय पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ऐसे वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई, जिनमें मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं हूटर का अवैध रूप से प्रयोग किया जा रहा था। साथ ही ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई जो सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में अश्लील, अभद्र एवं भड़काऊ गाने बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने तथा सामाजिक मर्यादा को प्रभावित करने का कार्य कर रहे थे। ऐसे वाहन चालकों को भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने की सख्त चेतावनी एवं हिदायत भी दी गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा वाहनों से 70 मॉडिफाइड साइलेंसर, 450 प्रेशर हॉर्न एवं 100 हूटर उतरवाए गए। इस प्रकार कुल 620 अवैध उपकरणों को जब्त किया गया। दिनांक 21.07.2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत स्वर्ण जयंती चौक (बढ़ौली चौराहा) पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जब्त किए गए 70 मॉडिफाइड साइलेंसर, 450 प्रेशर हॉर्न एवं 100 हूटर का नियमानुसार विनष्टीकरण किया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना तथा आमजन को शांत, सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है। विनष्टीकरण कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात ड राज सोनकर,ड क्षेत्राधिकारी नगर श रणधीर कुमार मिश्रा, एवं यातायात प्रभारी नरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों द्वारा आमजन एवं वाहन चालकों को जागरूक करते हुए अपने वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं हूटर का प्रयोग न करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में अश्लील, अभद्र एवं भड़काऊ गाने बजाकर ध्वनि प्रदूषण न फैलाएं। ऐसा करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना-2027: जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के समयबद्ध संपादन हेतु अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका

(डीसीएचबी) के कार्यों के सफल एवं समयबद्ध संपादन के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय, उ0प्र0 से डिप्टी डायरेक्टर गौरव पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिला अधिकारी (वि.रा.) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपनिदेशक, जनगणना निदेशालय, लखनऊ ने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं अधिशासी अधिकारियों को जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (डीसीएचबी) से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि डीसीएचबी जनपद की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ों का संकलन है, जिसका उपयोग शासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान डीसीएचबी के निर्माण, आंकड़ों के संकलन, सत्यापन तथा समयबद्ध रूप से सूचनाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। डिप्टी डायरेक्टर ने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित सूचनाएं उपलब्ध कराने का आह्वान करते हुए जनगणना-2027 के कार्यों को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना-2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के कार्यों को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराना है। कार्यक्रम में जनपद प्रशिक्षक आशुतोष तिवारी, जिला प्रभारी काजल रानी सहित जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

बीआईएस के मानक युवा सम्मान समारोह में आईएमएस के छात्रों को मिला सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), गाजियाबाद शाखा द्वारा आयोजित मानक युवा सम्मान समारोह में आईएमएस नोएडा के छात्रों एवं सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते को उपभोक्ता जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सोमवार को ऐके चिल्ड्रन एकेडमी, गाजियाबाद में आयोजित समारोह में आईएमएस के छात्र रोहन को सर्वाधिक उपभोक्ता जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 'मानक युवा' सम्मान से नवाजा गया। वहीं शिवप्रताप सिंह एवं रोनित राज को भी उपभोक्ता जागरूकता के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए 'मानक युवा' की उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते को भी 'जागो ग्राहक जागो' अभियान के अंतर्गत उपभोक्ता अधिकारों एवं जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि हमारी टीम ने विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक अभियानों एवं जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम, स्वयंसेवकों एवं समुदाय के सहयोग का परिणाम है। इस अवसर पर आईएमएस के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने सभी सम्मानित छात्रों एवं सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो की टीम को बधाई देते हुए कहा कि आईएमएस हमेशा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों में उनकी सक्रिय भागीदारी जारी रहेगी।

माननीय प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का दो दिवसीय सोनभद्र दौरा, विकास कार्यों की समीक्षा और जनसंवाद पर रहेगा फोकस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री एवं जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का दो दिवसीय सोनभद्र भ्रमण कार्यक्रम जारी किया गया है। अपने दौरे के दौरान प्रभारी मंत्री विकास परियोजनाओं की समीक्षा, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों से संवाद तथा भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में भाग लेंगे। 21 जुलाई की शाम प्रभारी मंत्री डाला स्थित अल्ट्राटेक गेस्ट हाउस पहुंचेंगे, जहां विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद मंडल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों से भेंट कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे। 22 जुलाई की सुबह प्रभारी मंत्री अमवार गेस्ट हाउस पहुंचकर निर्माणाधीन कनहर डैम से संबंधित सिंचाई एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति की विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। इसके बाद वह दुद्धी पहुंचेंगे, जहां तहसील स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक, गांव चौपाल-संवाद तथा जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। दुद्धी स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में प्रभारी मंत्री प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं, विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की बैठक भी आयोजित होगी। भ्रमण कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रभारी मंत्री दुद्धी कृषि मंडी परिसर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विधानसभा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के अन्दर शत-प्रतिशत निर्माण कार्य कराये जाये पूर्ण-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत-प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, इस दौरान पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंक के माध्यम से सब्सिडी आदि की सुविधा बैंक के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये उन्होने एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना को अन्तर्गत जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये है उसका सत प्रतिशत निस्तारण बैंको के माध्यम से सुनिश्चित किया जाये। इसी प्रकार से उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि विकास कार्यों, लाभार्थीपरक व जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे कार्यों के प्रगति में तेजी लायी जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार करना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक के दौरान उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधूरे निर्माण कार्यो को तीव्र गति से पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा श्री रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 श्री एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

जनगणना-2027ः जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के समयबद्ध संपादन हेतु अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (डीसीएचबी) के कार्यों के सफल एवं समयबद्ध संपादन के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय, उ0प्र0 से डिप्टी डायरेक्टर गौरव पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिला अधिकारी (वि.रा.) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपनिदेशक, जनगणना निदेशालय, लखनऊ ने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं अधिशासी अधिकारियों को जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (डीसीएचबी) से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि डीसीएचबी जनपद की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ों का संकलन है, जिसका उपयोग शासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन में किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान डीसीएचबी के निर्माण, आंकड़ों के संकलन, सत्यापन तथा समयबद्ध रूप से सूचनाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। डिप्टी डायरेक्टर ने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित सूचनाएं उपलब्ध कराने का आह्वान करते हुए जनगणना-2027 के कार्यों को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना-2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के कार्यों को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराना है। कार्यक्रम में जनपद प्रशिक्षक आशुतोष तिवारी, जिला प्रभारी काजल रानी सहित जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 07 अगस्त को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली गौतम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय की बकायेदार मो0 अहमद कुरैशी पुत्र स्व0 जान मोहम्मद निवासी उत्तरपारा (बेलाभेला), नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रसेहता, मनोज कुमार पासी पुत्र गुरु चरन निवासी कोन्सा एवं छेदी लाल पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी अनन्त मजरे मरदानपुर परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 07 अगस्त 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न,थीम आधारित पार्क, फसाड लाइटिंग व चौराहों के सौंदर्यीकरण कराए जाने के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगरीय निकाय एवं जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण, पर्यटन विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ बनाने के संबंध में विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के समस्त नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय विशेषताओं के अनुरूप थीम आधारित पार्क विकसित किए जाएं, जिससे नागरिकों को बेहतर मनोरंजन एवं हरित वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि पार्कों का विकास आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप में किया जाए तथा उनमें आवश्यक नागरिक सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने नगरों की सुंदरता एवं आकर्षण बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख भवनों एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर फसाड लाइटिंग कराए जाने, शहर की दीवारों पर स्थानीय संस्कृति, विरासत एवं जनजागरूकता पर आधारित वाल पेंटिंग कराने तथा प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से नगरीय क्षेत्रों की पहचान मजबूत होगी और स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण का निर्माण होगा। बैठक में डलमऊ को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रमुख मंदिरों में फसाड लाइटिंग की व्यवस्था की जाए, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए पाथवे विकसित किए जाएं तथा पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई, संकेतक बोर्ड एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर विकसित की जाएं, ताकि डलमऊ को एक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। प्रत्येक परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जनपद की समस्त नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'स्मार्ट सिटी' या बीमारियों का गढ़? मानसून आते ही नोएडा की खुली पोल, ?नोएडा को स्मार्ट और हाईटेक शहर बनाने के बड़े-बड़े दावों की पोल मानसून के दस्तक देते ही खुल गई है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जलभराव और खराब सफाई व्यवस्था के कारण शहर में मच्छर जनित बीमारियां तेजी से पांव पसारने लगी हैं और डेंगू के दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं। मानसून से पहले बड़े नालों की तली झाड़ सफाई न होने के कारण मुख्य नाले ब्लॉक पड़े हैं, जिससे सेक्टरों की अंदरूनी नालियों में साल भर बदबूदार और गंदा पानी जमा रहता है। हर मोड़ पर ठहरते इस गंदे पानी के कारण मच्छरों के ब्रीडिंग पॉइंट बन रहे हैं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा चरम पर पहुँच गया है। सेक्टर 71 शिव शक्ति अपार्टमेंट के आरडब्ल्यूए महासचिव ने इस बदहाली पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के वोट से कुर्सी पर बैठे जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर गहरी नींद सो रहे हैं। चुनाव के समय चमचमाती सड़कों और हाईटेक नोएडा के कसीदे पढ़ने वाले ये माननीय आज जलभराव और मच्छरों के आतंक के बीच जनता को उसके हाल पर छोड़कर गायब हैं। कागजों पर तो शहर को स्मार्ट बना दिया गया, लेकिन धरातल पर नागरिक नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थिति और अधिक गंभीर हो, उससे पहले ही प्राधिकरण और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को अपनी कुंभकर्णी नींद तोड़कर ग्राउंड लेवल पर ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने मांग की है कि मुख्य नालों व अंदरूनी नालियों की तुरंत सुध लेकर तली झाड़ सफाई कराई जाए तथा सभी प्रभावित इलाकों में नियमित फॉगिंग और एंटी-लार्वा का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहरवासियों को बीमारियों के इस प्रकोप से बचाया जा सके।

पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार पर दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के सभागार में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रेम नाथ, क्षेत्राधिकारी परिवहन राज सोनकर, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुमन कुमार, प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेन्द्र कुमार सिंह, विभिन्न थानों के उपनिरीक्षक, एनआईसी के डीआरएम मो. सैफ, चिन्हित निजी चिकित्सालयों के कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि पीएम-राहत योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं शहरी क्षेत्रों में होने वाली सभी प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर के दौरान त्वरित एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराना है, ताकि समय पर उपचार मिलने से अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके। क्षेत्राधिकारी परिवहन राज सोनकर ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना के बाद का पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी अवधि में पीड़ित को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है, जिससे योजना का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंच सके। कार्यशाला के दौरान चिन्हित निजी अस्पतालों के कम्प्यूटर ऑपरेटरों को टीएमएस पोर्टल एवं ई-डार पोर्टल के संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। साथ ही आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के अंतर्गत 112 हेल्पलाइन के माध्यम से एम्बुलेंस एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र

घटता भूजल स्तर कारण एवं निवारण' गोष्ठी के साथ सोनभद्र में तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम शुरू

भूजल सप्ताह केअंतर्गत संस्कृति विभाग और पुरातात्विक इकाई के संयुक्त तत्वाधान में सोनभद्र में तीन दिवसीय कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित भूजल सप्ताह के अंतर्गत 'घटता भूजल स्तर कारण एवं निवारण' विषय पर आधारित तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ सोमवार को हुआ। गुरु नानक

बालिका इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग, क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई वाराणसी और क्षेत्रीय अभिलेखागार वाराणसी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद पुरातत्व विभाग के आलोक रंजन ने कार्यक्रम के अध्यक्ष आईएचडब्ल्यू उ.प्र. के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि इतिहासकार व विंध्य संस्कृति शोध समिति के संस्थापक-निदेशक दीपक कुमार केसरवानी, मुख्य वक्ता रवि प्रकाश चौबे विशिष्ट अतिथि अजीत कुमार सिंह, दिवाकर श्रीवास्तव कॉलेज के प्रबंधक जसवीर सिंह, आकाशवाणी केंद्र ओबरा के सौरभ तिवारी को माल्यार्पण व अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं छात्राओं द्वारा पुरातात्विक धरोहरों पर आधारित लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक कुमार केसरवानी ने सोनभद्र की जीवनदायिनी नदियों और पर्यावरण के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बेलन, घघर और कर्मनाशा इस क्षेत्र की प्रमुख नदियां हैं, जिन पर बने बांध सोनभद्र ही नहीं बल्कि आसपास के विस्तृत भू-भाग को सिंचित करते हैं। लेकिन जिस प्राकृतिक परिवेश से यह जल निकलता है, जहां प्राचीन पेड़, गुफाएं, भित्ति चित्र और ऐतिहासिक धरोहरें मौजूद हैं, सोनभद्र की जल जंगल जमीन का संरक्षण संवर्धन पर्यटन विकास जनहित में आवश्यक है, भूजल के गिरते हुए स्तर की निवारण के लिए हमें अधिक से अधिक संख्या में अपने घर आंगन खेत खलियान में वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि यह वृक्ष बड़े होकर मानसून को रोके और बरसात हो। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रविप्रकाश चौबे ने दैनिक जीवन में पानी की बचत और व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बड़े उद्योगों के अलावा जल संरक्षण की शुरुआत हर घर से होनी चाहिए। लोग अपने घरों के लॉन या पिछले हिस्से में 4 से 5 फीट गहरा गड्ढा खोदकर वर्षा जल संचयन की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने रॉबर्ट्सगंज और सोनभद्र की धरती को बचाने की अपील करते हुए कहा कि सुबह ब्रश करते समय बेवजह नल खुला न छोड़ें और जल की एक-एक बूंद का सदुपयोग करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. कुसुमाकर श्रीवास्तव ने पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की जरूरत बताते हुए कहा कि केवल सतह की बोरिंग कराने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि गहरे पानी (कंफाइंड एक्विफर) तक पहुँचने की आवश्यकता है। प्राचीन समय में तालाब और गड्ढे जल स्तर बनाए रखते थे, लेकिन आज उन्हें पाटकर मकान बना दिए गए हैं और कुएँ सूख चुके हैं। कुआँ एक ऐसा प्राकृतिक माध्यम है जो खुद भी वाटर टेबल को रिचार्ज करता है, इसलिए घरों, दफ्तरों और बड़ी इमारतों में 'रेन वॉटर हार्वेस्टिंग' को अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद भू-तत्वविद दिवाकर श्रीवास्तव ने जल संकट के तकनीकी पहलुओं और भू-जल स्तर में सुधार के वैज्ञानिक उपायों पर विचार रखते हुए कहा कि भू-गर्भीय संरचनाओं को समझे बिना अंधाधुंध दोहन जल संकट को गहरा रहा है, जिसे सही जल प्रबंधन और वर्षा जल को भू-गर्भ में भेजने के सुनियोजित प्रयासों से ही ठीक किया जा सकता है। वहीं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अजीत कुमार सिंह ने मानवीय जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कहा कि हमारी पृथ्वी पर लगभग 71 प्रतिशत भाग में पानी है और मात्र 29 प्रतिशत भू-भाग का उपयोग अन्य कार्यों के लिए होता है, फिर भी वर्ष-प्रति-वर्ष भू-जल स्तर नीचे गिर रहा है और प्राकृतिक जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। इस स्थिति के लिए कहीं न कहीं मानव जाति खुद जिम्मेदार है, इसलिए 'जल है तो कल है' के संदेश को आत्मसात करते हुए आज ही से जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लेना होगा। संगोष्ठी के अंत में कॉलेज की छात्राओं एवं शिक्षकगण ने जल संरक्षण का अलख जगाने की शपथ ली। कॉलेज की छात्राओं ने जल संरक्षण पर गीत एवं आकर्षक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर रूपेश कुमार झा, आशुतोष कुमार, दिनेश कुमार, हरि भजन सिंह, किरण सिंह, अनुपमा सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हमारे आदिवासी परिवारि जनो की जमीन कम्पनी वापस करे-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। को ब्लाक के पोखरिया

अडगुड व बसुहारी में पेड़ हैं तो प्राण अभियान के तहत अभियान के तहत सैकड़ों परिवारि जनो को आम का पौधा वितरित किया गया सब ने पेड़ लगाने व उनकी परवरिश अपने परिवारि जनो की तरह करने का संकल्प लिया साथ में कम्पनी द्वारा झूठ बोलकर जमीन ऐग्रीमेन्ट करा ली गयी की किराए पर ले रहे है इस पर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक भड़क गे उन्होने मुख्यमंत्री से तत्काल जांच कर दोषियो के खिला दण्ड व अपने परिवारि जनो आदिवासी भाई बहनो की जमीन वापस करने की मांग किया साथ ही पेड़ हैं तो प्राण हैं के जिला संयोजक राम सुरत सिंह खरवार ने कहा कि अबाडा अडानी ग्रीनको व जेएस डबलू वेज लोग डरा धमकाकर हम लोगों के परिवारि जनो को दारु पिलाकर जमीन हड़प लिए है जो यदि वापस नहीं की गयी तो बड़ा जनान्दोलन होगा व जो हमारे समाज के नेता मन्त्री विधायक सांसद है यदि इस सकट में हम सब का साथ नहीं दिए तो आने वाले चुनाव में आदिवासी समाज इन सबको सबक सिखाएगा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रहलाद खरवार ने कहा कि कम्पनी के दलालो ने गाँव के सभी लोगों से झूठ बोलकर हम लोगों की जमीनो का एग्रीमेंट करवा लिया है कहे थे लोग कि किराए पर लेकर सोलर प्लांट लगया जायेगा अब हम लोग कम पढ़े लिखे हैं इसके कारण हम लोगों को कम्पनी के लोगों ने लूट लिया आज के कार्यक्रम में प्रहलाद खरवार रामसुरत खरवार रीता चादनी रामबदन खरवार मुन्ना खरवार जोगेन्दर यादव सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ वन स्टॉप सेंटर अधिकारों की जानकारी दी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला प्रोबेशन

अधिकारी महोदय के दिशा निर्देशन में एक्शन एड की टीम के साथ संयुक्त सामाजिक सुरक्षा योजना कार्यक्रम जनपद सोनभद्र के लोड़ी पंचायत भवन में विभाग संबंधी बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ ,वन स्टॉप सेंटर,181 महिला हेल्प लाइन,112 पुलिस सहायता,1098 निराश्रित महिला पेंशन एवं विभाग की समस्त योजना की जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर रेनू द्वारा घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी एवं एक्शन एड की को ऑर्डिनेटर निशा कुरेशी द्वारा अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई व कार्यक्रम में भूषण जॉर्ज (डीडीडब्लूएस),निर्मला मसीह फील्ड कार्यकर्ता , विजय कुमार गौतम सेंटर आफिसर, राधिका शर्मा इत्यादि शामिल रही। कार्यक्रम में लगभग 07 किशोरियों व 45 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

योगी सरकार से मिला 'सहारा' तो संजू ने भरी सपनों की 'उड़ान'

मिलेट्स उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भर बनीं रॉबर्ट्सगंज की संजू,महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के योगी सरकार के प्रयास ला रहे रंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश की योगी

सरकार द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की एक सुखद तस्वीर सोनभद्र में सामने आई है। यहां राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सजौर के मजरा मझिगांव चौबे की निवासी 41 वर्षीय संजू कुशवाहा के मिलेट्स (मोटा अनाज) से बनाए उत्पाद (बिस्कुट, नमकीन, लड्डू) बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं, जिससे संजू और उनके स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की भी अच्छ आमदनी हो रही है। संजू ने परिश्रम कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। संजू कुशवाहा वर्ष 2020 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ीं। इसके बाद उन्होंने समय-समय पर एनआरएलएम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण और मिलेट्स आधारित उत्पाद तैयार करने की तकनीक सीखी। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद संजू ने दिसंबर 2024 में एनआरएलएम से 20 हजार रुपये का ऋण लिया और छोटे स्तर पर मिलेट्स से कुकीज, बिस्किट और नमकीन बनाने का कार्य शुरू किया। शुरुआती दौर में उत्पादन और विपणन, दोनों में ही चुनौतियां थीं, लेकिन संजू ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया, जिसके कारण स्थानीय बाजार में उनके उत्पादों की मांग बढ़ने लगी। धीरे-धीरे श्री अन्न (मिलेट्स) से बने उनके उत्पाद लोगों की पसंद बन गए। वर्तमान समय में उनके द्वारा तैयार किए जाने वाले कुकीज, बिस्किट और नमकीन की मांग लगातार बढ़ रही है। संजू की सफलता से प्रेरित होकर उनके समूह में आठ महिलाएं जुड़ चुकी हैं। ये महिलाएं मिलकर उत्पादन कार्य में सहयोग कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। समूह से जुड़ी प्रत्येक महिला औसतन 10 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही है। वहीं संजू स्वयं हर महीने सारे खर्च निकालने के बाद 20 हजार रुपये से अधिक की कमाई कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और जीवन स्तर भी बेहतर हुआ है। संजू का कहना है कि यदि उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का सहयोग और प्रशिक्षण नहीं मिला होता तो वह इस मुकाम तक नहीं पहुंच पातीं। उनके परिवार की आर्थिक स्थित बहुत दयनीय थी। पति की प्राइवेट नौकरी और तीन बच्चों का भरण-पोषण मुश्किल से हो पा रहा था। लेकिन अब उनका जीवन बदल गया है। बड़ी बेटी लखनऊ में पढ़ाई कर रही है, जबकि बाकी दोनों बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दिलवा पा रही हैं। संजू कहती हैं कि अब उनकी योजना उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक मशीनें स्थापित करने की है, ताकि अधिक मात्रा में उत्पाद तैयार कर बड़े बाजारों तक पहुंच बनाई जा सके।

समूह से जुड़ी महिलाएं भी कर रही अच्छी आमदनी

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा

जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन

मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को

पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच

की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ

भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

बच्चों को अब होमवर्क के लिए मोबाइल की जरूरत पड़ रही हैं हर सवाल एआई से तो खुद क्या सीख पायेंगे- क्या करूं?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला

हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एआई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने से बचने लगी है। मुझे लगता है कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लर्निंग एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल का जवाब बिना खुद सोचे सीधे एआई से लेता है तो उसकी समझ और बुद्धि कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिक रूप से हमारा दिमाग 'यूज इट ऑर लूज इट' के सिद्धांत पर काम करता है। यानी जितना

बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए बच्चों का एआई टूल यूज करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एआई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल एआई से बेहतर जवाब पाने के लिए सही और स्पष्ट सवाल पूछना भी एक स्किल है। एआई हमेशा 100फीसदी सही नहीं होता। इसलिए किताब, टीचर या दूसरे सोर्स से जानकारी मिलान करना सिखाएं। सही एआई यूज के लिए पेरेंट्स ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं। पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे की कोशिश और सोचने की प्रक्रिया को सराहें। आप अपनी बेटी से कह सकते हैं कि पहले वह खुद सवाल हल करने की कोशिश करे और बाद में एआई से अपने जवाब की तुलना करे। हम सोचते-समझते और समस्या हल करते हैं, उतना ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एआई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लर्निंग जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एआई एक लर्निंग टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एआई की मदद लेने को कहें। एआई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या पढ़ाई के दौरान एआई का कब और कितना इस्तेमाल इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एआई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाए। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती है। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एआई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एआई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी सोच को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एआई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एआई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एआई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेगी कि एआई सिर्फ हेल्पिंग टूल है। उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर रेप का आरोप,कोलकाता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के आदेश दिए- डिवाइस भी जब्त करने को कहा

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने रेप मामले में आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी के आदेश

दिए हैं। कोर्ट ने पुलिस को अभिषेक के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया है, ताकि कथित निजी फोटो और वीडियो शेयर ना किए जा सकें। बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर एक महिला ने शादी का वादा कर संबंध बनाने और दोनों के निजी पलों की रिकॉर्डिंग करने के आरोप लगाए हैं। क्रिकेटर पर धमकियां देने के भी आरोप हैं। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था। पीड़िता का आरोप- फ्लैट पर संबंध बनाए, अब धमकी दे रहा शिकायत के अनुसार अभिषेक पोरेल की महिला से जनवरी 2023 में पहचान हुई थी। महिला का आरोप है कि पोरेल उसे मंकुंडू स्थित अपने फ्लैट में ले गया और शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए। बाद में उसे पता चला कि आरोपी के अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध थे। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि अभिषेक ने उसे अवैध रूप से रोके रखा, खाना नहीं दिया और अलग-थलग रखा गया। दो अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई कथित घटना के बाद उसकी शारीरिक स्थिति बिगड़ गई थी और उसे तत्काल इलाज कराना पड़ा। महिला ने फोन और सोशल मीडिया के जरिए धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है। अदालत ने कहा-'जांच के दौरान एक पेन ड्राइव जब्त की गई है, जिसमें अहम डिजिटल सामग्री होने की आशंका है। ऐसे में आरोपी की गिरफ्तारी और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती आवश्यक है, ताकि कथित आपत्तिजनक डेटा को आगे शेयर होने से रोका जा सके।' अब तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी-हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस पहले से आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अदालत ने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। क्रिकेटर ने आरोपों को झूठा बताया था- क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था।

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफा, स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी भिड़े थे, दोषियों पर 3 मैच का प्रतिबंध संभव

स्पोर्ट्स डेस्क। फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद

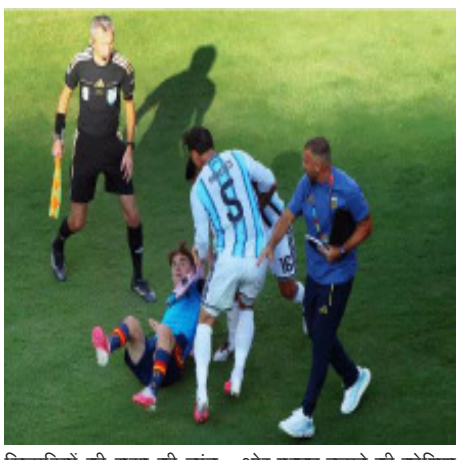

खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने

डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए। झड़प में क्या हुआ? परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है। इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ। प्लेयर्स पर 3 मैचों का प्रतिबंध लग सकता है- फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद-14 के तहत हिंसक आचरण साबित होने पर खिलाड़ियों को न्यूनतम तीन आधिकारिक मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा जुर्माना और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के खिलाफ कार्रवाई भी संभव है। अर्जेंटीना पर बैनर मामले की जांच भी जारी- अर्जेंटीना पहले से ही इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बाद दिखाए गए फॉकलैंड/माल्विनास अर्जेंटीना के हैं बैनर को लेकर फीफा की जांच का सामना कर रहा है। अब फाइनल के बाद हुई झड़प ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ग्रॉसरी शॉपिंग से सर्जरी तक कन्फ्यूजन का सबसे बेहतर हल है 'चेकलिस्ट'

जब आप अगला पैराग्राफ पढ़ना शुरू करेंगे तो यकीन मानिए

उसे दोबारा पढ़ेंगे, क्योंकि वह काफी कन्फ्यूजिंग है। और अगर आप पूरा लेख पढ़ेंगे तो समझ जाएंगे कि जिंदगी में गलतियां क्यों होती हैं। अधिकतर गलतियां इसलिए नहीं होतीं कि हमें जानकारी नहीं होती, बल्कि हम अपनी जानकारी को सही से लागू नहीं कर पाते। तो फिर हल क्या है? एक चेकलिस्ट बनाइए। अब आप कन्फ्यूजन के लिए तैयार हो जाइए, और आगे इसे दूर करने का तरीका भी है।पिछले महीने एक-दूसरे से अनजान राधिका देवी और राधिका सिंह को एक ही समय पर वाराणसी के बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के ट्रॉमा सेंटर में अलग-अलग भर्ती किया गया। राधिका देवी 71 साल की और राधिका सिंह 82 वर्ष की थीं। राधिका देवी न्यूरो डिपार्टमेंट में बेड नंबर 29 पर थीं। राधिका सिंह ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में बेड नंबर 17 पर थीं। राधिका देवी की स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी, जबकि राधिका सिंह का हिप रिप्लेसमेंट होना था। दोनों की सर्जरी का समय एक ही था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 7 मार्च को सिंह की जगह देवी को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। एनेस्थीसिया देने के बाद सर्जिकल टीम ने देवी का ऑपरेशन शुरू कर दिया। जब सीनियर रेजिडेंट को ऑपरेशन की जगह पर अपेक्षित स्थिति नहीं दिखी तो टीम ने सीनियर डॉक्टर को अलर्ट किया। इसी बीच, नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि थिएटर में गलत मरीज आ गया है। पूरी प्रक्रिया रोकी गई और परिवार को बिना कुछ बताए ही देवी को वापस भेज दिया गया। बाद में 18 मार्च को उनकी स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी हुई और कुछ जटिलताएं होने के कारण 28 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई। यह चूक तब सामने आई, जब उनके पोते मृत्युंजय पाल ने बीएचयू में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डायरेक्टर से शिकायत की।चूंकि हम में से ज्यादातर लोग मेडिकल प्रोफेशनल नहीं हैं, तो आइए आपको ग्रॉसरी स्टोर ले चलता हूं। सोचिए कि आपके परिवार ने शनिवार को दादाजी का 90वां बर्थडे मनाने का फैसला किया। आपकी पत्नी केक बनाना चाहती हैं। उन्होंने आपको किराने की लिस्ट दी, जो सामान आपको शुक्रवार शाम ऑफिस से लौटते वक्त लाना था। जब आप शेल्फ से सामान उठा रहे होते हैं तो बॉस का फोन आता है और वह चिल्लाते हैं कि आपने काम पूरा नहीं किया। सोने से पहले इसे पूरा कर देना। गुस्से और कन्फ्यूजन में आप मैदा भूल जाते हैं। नतीजतन, आपकी पत्नी केक नहीं बना पाएंगी। दोनों ही मामलों में जानकारी तो थी, लेकिन उसका उपयोग गलत हो गया। तो क्या करें? मुझे करीब दो दशक पहले पढ़ी डॉ. अतुल गवांडे की किताब 'द चेकलिस्ट मैनिफेस्टो' याद है, जिसमें गवांडे ऐसा समाधान बताते हैं, जिसे अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने भी अपनाया है। पेशे से सर्जन रहे लेखक लंबे व्यक्तिगत अनुभव के जरिए चेकलिस्ट कॉन्सेप्ट समझाते हैं। उन्होंने न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों में चेकलिस्ट के असर पर रिसर्च की, बल्कि अस्पतालों में इसे लागू भी किया। वे कहते हैं कि कोई असामान्य घटना हो जाए तो कोई व्यक्ति वो काम भी भूल सकता है, जो वह सामान्यतः करता है। दूसरी बात, हम कम महत्वपूर्ण स्टेप्स छोड़ देते हैं, क्योंकि पिछली बार छोड़ा तो कुछ नहीं हुआ था। कोई कह सकता है कि 'यह कभी समस्या नहीं रही', लेकिन क्या गारंटी है कि अगली बार नहीं होगी? गवांडे कहते हैं कि हम चेकलिस्ट जैसी साधारण चीज के जरिए ऐसी विफलताओं से बच सकते हैं। यह हमें जरूरी स्टेप्स याद दिलाती है और उन्हें स्पष्टतः सामने रखती है। यह न सिर्फ वेरिफिकेशन संभव बनाती है, बल्कि बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुशासन का भाव भी पैदा करती है। फंडा यह है कि अगली बार जब आप अपने जीवन या वर्कप्लेस पर किसी बड़े काम पर ध्यान दे रहें हों तो चेकलिस्ट जैसी छोटी चीज बनाना और इसे जांचते हुए टिक करना जरूर याद रखिएगा।
एन. रघुरामन

महिला आरक्षण के मायने तभी जब सभी को समान मौके मिलें

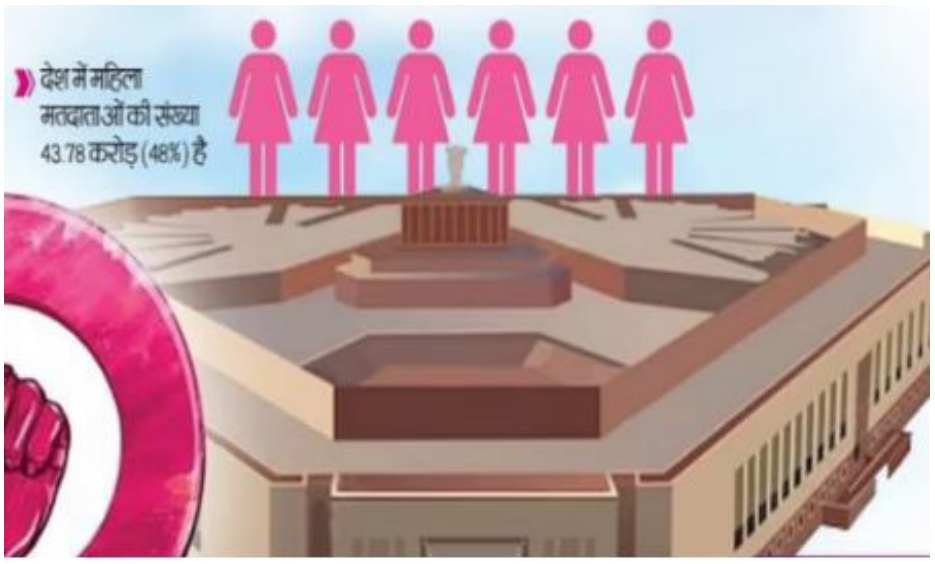

महिला आरक्षण को विधायिकाओं में महिलाओं के अल्प-प्रतिनिधित्व को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। लेकिन उत्सव के बीच एक असहज करने वाली चुप्पी भी मौजूद है और यह चुप्पी इस मूल प्रश्न पर है कि ये महिलाएं कौन होंगी, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, कौन नहीं होंगी? भारतीय राज्य ने ऐतिहासिक रूप से असमानता की बहुस्तरीय प्रकृति को स्वीकारा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं था, बल्कि उस गहरी संरचनात्मक वंचना की स्वीकृति था, जिसने सदियों तक इन समुदायों को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा। लेकिन जब बात महिलाओं के आरक्षण की आती है, तो एक खतरनाक सरलीकरण सामने आता है, मानो महिलाएं एक समान श्रेणी हों, जिनके अनुभव और अवसर एक जैसे हों। वास्तविकता यह है कि समाज में सत्ता के ढांचे- पितृसत्ता, जाति और वर्ग- अलग-अलग नहीं चलते, बल्कि एक-दूसरे में गुंथे हुए हैं। एक दलित महिला का जीवन-अनुभव एक सवर्ण महिला से भिन्न होता है। एक आदिवासी महिला के सामने आने वाली चुनौतियां लैंगिक आधार पर ही नहीं समझी जा सकतीं। इन अंतरों को नजरअंदाज करना, विधायी सुविधा के नाम पर सामाजिक यथार्थ को मिटा देना है।यही कारण है कि कोटा के भीतर कोटा की मांग महज तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की अवधारणा को सार्थक बनाने का प्रयास है। इसके अभाव में यह लगभग तय है कि आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक सीमित रह जाएगा, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। हाशिये के समुदायों की महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश की बाधाएं- आर्थिक संसाधनों की कमी, सामाजिक नेटवर्क का अभाव, दलगत समर्थन की सीमाएं, गहरे पैठे जातिगत पूर्वग्रह- सिर्फ आरक्षण की घोषणा से समाप्त नहीं होतीं। बल्कि प्रतिस्पर्धा के इस नए परिदृश्य में वे और अधिक तीव्र हो सकती हैं।

इस परिदृश्य में एक गंभीर आशंका उभरती है- महिला सशक्तीकरण का नारा कहीं अभिजात्य वर्ग की शक्ति को और सुदृढ़ करने का माध्यम न बन जाए। यह आशंका काल्पनिक नहीं है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के अनुभव इस दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से बढ़ी, लेकिन अनेक अध्ययनों ने यह भी दिखाया कि इसका लाभ अकसर प्रभावशाली सामाजिक समूहों की महिलाओं तक ही सीमित रहा।

वंचित समुदायों की महिलाएं या तो इससे बाहर रहीं या सत्ता के स्थापित ढांचों के भीतर प्रतीकात्मक उपस्थिति तक सीमित हो गईं। प्रतिनिधित्व इस बात का प्रश्न है कि कौन बोल रहा है, किसके अनुभवों को स्थान मिल रहा है और किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसी महिला का निर्वाचित पद पर होना अपने आप में सभी महिलाओं के हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रतिनिधित्व तभी सम्भव है जब विविध सामाजिक पृष्ठभूमियों की महिलाएं निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बनें। यही वह बिंदु है जहां कोटा के भीतर कोटा की आवश्यकता स्पष्ट हो जाती है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए आनुपातिक आरक्षण सुनिश्चित करना किसी प्रकार का विभाजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने का प्रयास है। यह इस मूल सत्य की स्वीकृति है कि समानता का अर्थ केवल अवसरों की औपचारिक उपलब्धता नहीं, बल्कि उन बाधाओं को पहचानना और दूर करना भी है, जो विभिन्न समूहों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करती हैं। इसके विरोध में तर्क दिया जाता है कि इससे व्यवस्था अत्यधिक जटिल हो जाएगी।

लेकिन जटिलता को अन्याय का औचित्य नहीं बनाया जा सकता। भारतीय संविधान ने दिखाया है कि वह सामाजिक वास्तविकताओं की जटिलताओं को समाहित करने में सक्षम है। कोटा के भीतर कोटा केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं करता, बल्कि शक्ति के संतुलन को बदलने का प्रयास करता है। साथ ही, यह महिलाओं की श्रेणी के भीतर भी मौजूद असमानताओं को भी उजागर करता है।

कहीं आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक ही सीमित नहीं रह जाए, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई।

तब हाशिये के समुदायों की महिलाओं का सशक्तीकरण कैसे होगा? (ये लेखक के अपने विचार हैं प्रो. मनोज कुमार झा)

लोगों का जीवन सुधारने के लिए अमीर बनने का इंतजार जरूरी नहीं

कई वर्षों बाद पिछले महीने केरल जाना मेरे लिए सुखद अनुभव रहा। 1980 के दशक में जब मैं पीएचडी कर रहा था तो केरल अपने बेहतरीन

चल रहा है। मौज-मस्ती की आड़ में आनंद अनैतिक होता जा रहा है। नई पीढ़ी के बच्चे, जो रात की पार्टियां करते हैं, उनमें से कई के तो माता-पिता को मालूम भी नहीं कि देर रात ये कहां हैं। कुछ घरों में इन बच्चों के माता-पिता खुद ऐसी पार्टी कर रहे हैं। इस समय मिडिल-एज के माता-पिता के बच्चे जवान हो गए। वो अपने चरित्र में गम्भीरता नहीं ला पा रहे हैं। वो अभी भी अपने को उसी उम्र में समझ रहे हैं और उसमें आकर उनके बच्चे जुड़ चेतावनी दे रहे हैं कि किशोर होने की उम्र 11 साल हो गई, जो पहले लगभग 15-16 साल थी। बच्चे उम्र से पहले जवान हो रहे हैं। अपोजिट जेंडर के प्रति उत्सुकता होना स्वाभाविक है। लेकिन अब नई बात निकलकर आई कि 11 वर्ष के किशोर भी जेंडर बदलने की तमन्ना रख रहे हैं। यह भी कुदरत से छेड़छाड़ है और प्रकृति को जब भी छेड़ा जाएगा, वह अपना विपरीत आपको सौंपेगी। पं. विजयशंकर मेहता।

प्रकृति को छेड़ेंगे तो वह अपना विपरीत ही आपको सौंपेगी

देर रात की पार्टियां अब महंगी पड़ रही हैं। इनमें नशे का खेल

जाना जाने लगा था। मसलन, गए। इसलिए समाज का दृश्य बड़ा विचित्र हो गया। मनोवैज्ञानिक

विज्ञान की थोड़ी-बहुत समझ स्वस्थ व लंबा जीवन जीने में मदद करती है

मुंबई की खूबसूरती यही है कि वहां गगनचुम्बी हाई-राइज इमारतों के साथ झोपड़ियां और

एक इंच भी सरके तो वह ट्रैफिक में घुस सके। मैंने मौका देखकर उसकी तारीफ की कि इतनी छोटी जगह में भी उसने सभी सुविधाएं जुटा रखी हैं। उसने कहा 'आजकल सबकुछ ईएमआई पर उपलब्ध है।' उसके जवाब से मुझे 2010 में भास्कर समूह के लिए किए गए हमारे सर्वे की याद आ गई। उस समय सबसे ज्यादा बिकने वाली तीन चीजें स्मार्टफोन, दुपहिया वाहन और एयर कंडीशनर थीं। और जब मैंने 2026 के सेंटूल बैंक डेटा देखे तो ये तीनों अब भी उसी स्थान पर थीं। चूंकि गाड़ी कई मिनट तक नहीं चली तो मैंने उससे पूछा कि जीवन कैसा चल रहा है। उसने कहा कि हालांकि उसने घरवालों को सारी सुविधाएं दे रखी हैं, लेकिन बुजुर्ग हो रहे पैरेन्ट्स की बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं उसे चिंतित करती हैं। तभी मुझे याद आया कि मैंने पढ़ा था कि कुछ आदतें, जिन्हें हम महसूस तक नहीं करते, हमारी बायोलॉजिकल एज को बढ़ाती हैं और स्किन को बेहतर रखती हैं। एक रिसर्च के बाद यूके की पत्रिका 'साइंस एडवांसेस' और 'जर्नल ऑफ एजिंग' में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में कहा गया कि सुबह के वक्त पर्याप्त धूप लेना स्किन डैमेज, पसीने बहाने के तरीके और लंबी उम्र पर असरकारक है। इसी तरह लोग यह नहीं समझते कि सिर्फ 100 ग्राम योगर्ट भी गट-हेल्थ के लिए अच्छा होता है, जो स्वस्थ और लंबी उम्र में योगदान देता है। योगर्ट एजिंग स्पीड को 2.2 तक कम करता है। मुझे यह आंकड़ा इसलिए याद रहा क्योंकि मैं दक्षिण भारतीय हूं और हमारा भोजन कर्ड-राइस के बिना पूरा नहीं होता। उस रिपोर्ट ने मुझे खुश कर दिया, क्योंकि कर्ड-राइस हमेशा से मेरी फेवरेट डिश रही है। लेकिन जिस एक चीज ने मेरा ध्यान खींचा, वह दोस्तों की क्वालिटी को लेकर एक स्पेशल रिपोर्ट थी। उसमें कहा गया कि आम तौर पर दोस्ती बायोलॉजिकल एजिंग पर सकारात्मक असर डालती है। इससे कॉग्निटिव डिक्लाइन का जोखिम कम होने और अवसाद में कमी जैसे कई फायदे मिलते हैं। अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग' ने चेतावनी दी कि सोशल नेटवर्क में 'झगड़ालू' लोगों के साथ अधिक समय बिताना तनाव और बायोलॉजिकल एजिंग से जुड़े बायोमार्कर को बढ़ाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि 'किसी व्यक्ति के जीवन में ऐसे चुनौतीपूर्ण रिश्ते जितने ज्यादा होंगे, परिणाम उतने ही खराब हो सकते हैं।' फंडा यह है कि हर लाइफस्टाइल के पीछे एक विज्ञान होता है- बिस्तर से उठने के तरीके से लेकर प्रियजनों के साथ शाम बिताने तक। यदि हम हर गतिविधि के पीछे का विज्ञान समझ लें तो जीवन को स्वस्थ और लंबा बनाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।
एन. रघुरामन

अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल, कहा- सुरक्षा को देखते हुए देर से जानकारी दी

ईरान के 9 शहरों पर अमेरिकी हमल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। जॉर्डन ने ईरान की तीन मिसाइलें मार गिराईं-जॉर्डन की सेना ने कहा है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने मंगलवार को ईरान की तीन मिसाइलों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, इन हमलों में कोई हताहत या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। ईरान के गृह मंत्री पाकिस्तान पहुंचे, आसिम मुनीर से मुलाकात की-ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचे। उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब पाकिस्तान दोनों देशों के बीच टूटा हुआ अंतरिम समझौता दोबारा लागू कराने की कोशिश कर रहा है। मोमेनी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की। बाद में उनकी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात होने की उम्मीद है। हालांकि, बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी जानकारी नहीं दी गई। पिछले महीने अमेरिका और ईरान के बीच हुआ अंतरिम समझौता अब लगभग पूरी तरह टूट चुका है। पाकिस्तान दोनों देशों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अब तक यह साफ नहीं है कि नया समझौता कैसे होगा। ईरान ने कुवैत के बिजली और जल संयंत्र पर लगातार चौथे दिन हमला किया- ईरान ने सोमवार शाम को लगातार चौथे दिन कुवैत के बिजली उत्पादन और समुद्री पानी को मीठा पानी वाले संयंत्र पर हमला किया। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, हमलों के बाद कई संयंत्रों में आग लग गई। इसे बाद में दमकल और सुरक्षा एजेंसियों की मदद से बुझा दिया गया। साथ ही, बिजली और जल आपूर्ति प्रणाली की सुरक्षा के लिए एहतियातन कुछ बिजली उत्पादन इकाइयों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। कतर ने ईरान से मुआवजा मांगा, कहा- हर नुकसान की भरपाई करे-कतर ने ईरान से अपने यहां हुए सभी नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। कतर ने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को भेजी चिट्ठी में कहा कि ईरान उसके क्षेत्र पर हुए हमलों और उनसे हुए नुकसान के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है और उसे हर नुकसान का मुआवजा देना चाहिए। कतर ने 7 जुलाई को होर्मुज स्ट्रेट के पास कतर के तेल टैंकर अल-रुकय्यात पर हुए हमले और 12 व 17 जुलाई को कतर पर हुए मिसाइल हमलों का भी जिक्र किया है। कतर ने यह भी कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने और जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। रिपोर्ट: अमेरिका में अपनी छवि सुधारने इजराइल ने 5 करोड़ डॉलर खर्च किए-अमेरिका में गाजा और ईरान युद्ध को लेकर इजराइल की छवि लगातार खराब हो रही है। इसी को बदलने के लिए इजराइल ने करोड़ों डॉलर का बड़ा प्रचार अभियान शुरू किया है। इस अभियान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सोशल मीडिया, टेक्स्ट मैसेज और दक्षिणपंथी मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। वॉल स्ट्रीट रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल सरकार ने डोनाल्ड ट्रम्प के पुराने सहयोगी ब्रैड पार्सकेल की कंपनी के साथ 5 करोड़ डॉलर का करार किया है। इसके अलावा इजराइल ने 2026 के लिए दुनिया भर में अपनी छवि सुधारने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए 70 करोड़ डॉलर का बजट तय किया है। मार्च में आई एक प्यू रिसर्च की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, करीब 60फीसदी अमेरिकी लोगों की इजराइल के प्रति नकारात्मक राय है। इसकी बड़ी वजह गाजा और ईरान युद्ध को संभालने का तरीका माना गया है। इसी वजह से इजराइल अमेरिका में लोगों की राय बदलने की कोशिश कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अपने एक इंटरव्यू की वजह से अपने ही देश में विवादों में घिर गए हैं। अराघची ने हाल ही में एक यूट्यूब इंटरव्यू में ईरान-अमेरिका और ईरान-इजराइल युद्ध, सरकार के फैसलों और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर खुलकर बात की। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जिन सुरक्षा खामियों की वजह से इजराइल ईरान के कई वरिष्ठ अधिकारियों और अहम ठिकानों पर हमला कर सका था, वे खामियां शायद अभी भी पूरी तरह दूर नहीं हुई हैं। बस इसी बयान पर विवाद शुरू हो गया। ईरान के कट्टरपंथी नेताओं और रूढ़िवादी मीडिया का कहना है कि अराघची ने टीवी पर ऐसी बातें बता दीं, जिन्हें गोपनीय रखना चाहिए था। उनका आरोप है कि विदेश मंत्री ने देश की सुरक्षा व्यवस्था और युद्ध के दौरान लिए

गए फैसलों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक कर दी। ईरान के सरकारी टीवी पर राजनीतिक विश्लेषक मुस्तफा खुशचश्म ने अराघची की आलोचना करते हुए कहा, 'अगर आपका मकसद अपनी छवि सुधारना था, तो इस इंटरव्यू से आपने अपनी स्थिति और खराब कर ली।' ईरान युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे गए-अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं, जबकि 430 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस महीने शुरू हुए अमेरिकी हमलों में अब तक कम से कम 50 लोगों की मौत और 517 लोग घायल हुए हैं। ईरान ने अमेरिकी हमलों से हुए कुल सैन्य और बुनियादी ढांचे के नुकसान का कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। ईरान में तनाव के कारण ऑनलाइन संसद चलाने की मंजूरी-ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने मंगलवार को एक नए कानून को औपचारिक मंजूरी दी है। इसके तहत आपातकाल या संकट की स्थिति में संसद की कार्यवाही ऑनलाइन कराई जा सकेगी। कानून के मुताबिक, अगर संसद की संचालन समिति यह तय करती है कि सांसद संसद भवन में एकत्र नहीं हो सकते, तो संसद का पूर्ण सत्र, संसदीय समितियों की बैठकें और संचालन समिति की बैठकें किसी अन्य स्थान पर या ऑनलाइन आयोजित की जा सकेंगी। इजराइली मंत्री बोले- ईरान जंग में शामिल होने का इरादा नहीं- 'इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा है कि फिलहाल इजराइल की ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में सीधे शामिल होने की कोई इच्छा नहीं है। मध्य इजराइल के याद बिन्यामिन में आयोजित एक सम्मेलन में स्मोट्रिच ने कहा, 'इस समय इजराइल की इस अभियान में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं है।' इजराइली मीडिया के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'मौजूदा स्थिति हमारे लिए अच्छी है और हमें खुद इसमें शामिल होने की कोई जरूरत नहीं दिखती। हालांकि, हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचार

ईरान की संसद के सदस्य मोहम्मद बह्शी गाजी ने कहा है कि सरकार पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। उनके मुताबिक, सरकार का मानना है कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल सकती, क्योंकि जंग की वजह से सरकारी आय पर बहुत ज्यादा दबाव बढ़ गया है। गाजी ने कहा कि ईंधन की कीमतों पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है और इस मुद्दे पर संसद तथा सरकार के बीच बातचीत जारी है। ईरान में पेट्रोल की कीमतें भारतीय रुपए के हिसाब से 1 रुपए प्रति लीटर के करीब हैं। यह दुनिया के सबसे सस्ता है, क्योंकि सरकार उस पर भारी सब्सिडी देती है। हालांकि, ईरान में पेट्रोल की कीमत बढ़ाना राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा माना जाता है। 2019 में पेट्रोल की कीमत बढ़ाए जाने के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी। इसी वजह से मौजूदा सरकार भी इस मुद्दे पर सावधानी बरत रही है। ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान और बांग्लादेश को एलएनजी महंगी पड़ी-ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश को कई वर्षों में सबसे महंगी एलएनजी खरीदनी पड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकारी कंपनी पाकिस्तान एलएनजी ने सोमवार को जुलाई के आखिर में एक एलएनजी खेप करीब 21.88 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) की कीमत पर खरीदी। ट्रेडर्स के मुताबिक, यह 2022 के बाद सबसे ऊंची कीमत है। वहीं, बांग्लादेश की सरकारी गैस खरीद एजेंसी ने पिछले सप्ताह अगस्त में डिलीवरी के लिए कम से कम एक एलएनजी खेप ऊंची कीमत पर खरीदी। ब्लूमबर्ग के अनुसार, एलएनजी की बढ़ती कीमतों से दोनों देशों के सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ रहा है। इसके चलते पाकिस्तान और बांग्लादेश अब अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए एलएनजी पर निर्भरता कम करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं। इजराइल बोला- फिलहाल ईरान युद्ध में शामिल होने की जरूरत नहीं-इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा है कि उनका देश फिलहाल ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में शामिल होने का इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति इजराइल के हित में है, हालांकि देश किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। ईरान बोला- बहरीन में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया-ईरान ने दावा किया है कि उसने बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे शेख ईसा बेस को ड्रोन से निशाना बनाया है। ईरानी सेना के मुताबिक, यह अड्डा अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का प्रमुख ठिकाना है और क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अभियानों का अहम केंद्र माना जाता है। ईरानी समाचार एजेंसी फार्स के अनुसार, सेना ने कहा है कि जब तक दुश्मन ईरान पर हमले बंद नहीं करता, तब तक उसकी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। सेना का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य अमेरिका की सैन्य गतिविधियों को जवाब देना है। आसियान देशों ने कहा- जंग का समाधान बातचीत से निकले- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान ने मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष पर गंभीर चिंता जताई है। मनीला में हुई विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति से निकलना चाहिए। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में सदस्य देशों ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती सैन्य कार्रवाई शांति प्रयासों को कमजोर कर रही है। मौजूदा हालात मध्य-पूर्व में चल रही मध्यस्थता की कोशिशों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इससे शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाएं कम हो रही हैं। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की। अमेरिका ने दुनियाभर में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी-ईरान के साथ जारी तनाव के बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने दुनियाभर में मौजूद अपने नागरिकों के लिए ग्लोबल सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। अमेरिका ने कहा है कि सुरक्षा स्थिति कभी भी बिगड़ सकती है, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए और मिडिल-ईस्ट की यात्रा से पहले जोखिम का आकलन किया जाए। ईरान के हमलों के खिलाफ यूएन पहुंचा कतर-कतर ने ईरान पर हाल में हुए दो हमलों का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। कतर ने हमलों की कड़ी निंदा करते हुए ईरान से मुआवजा देने की मांग की है और कहा है कि वह अपने हितों की रक्षा के लिए उचित जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। कतर का कहना है कि पहला हमला 7 जुलाई को हुआ, जब उसका एक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा था। आरोप है कि इस दौरान जहाज पर हमला किया गया। दूसरा हमला 12 जुलाई को हुआ, जब ईरान ने कतर की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। कतर के अनुसार, सभी मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया गया, लेकिन इंटरसेप्शन के दौरान गिरे मलबे से एक बच्चा घायल हो गया। ईरानी ने बहरीन में अमेजन के डेटा सेंटर पर हमला किया-ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिका से जुड़े एक व्यावसायिक ठिकाने पर हमला किया है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, आईआरजीसी ने बयान जारी कर कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने क्रूज मिसाइलों से हमला कर अमेजन के केंद्रीय डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट कर दिया। आईआरजीसी ने कहा कि यह हमला डारखोविन में नागरिक ढांचे पर हाल में हुए अमेरिकी हमलों के जवाब में किया गया। ईरान के हमलों में 100 अमेरिकी सैनिक घायल-अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96फीसदी सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कनकशन) लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। समुद्री रास्ते बंद करना ईरान के लिए भी नुकसानदायक: ईरानी अखबार- ईरान के पुराने और रूढ़िवादी रुख वाले अखबार एतेआत ने मंगलवार को कहा कि अगर होर्मुज स्ट्रेट और बाब अल-मंदेब दोनों समुद्री रास्तों को एक साथ लंबे समय तक बंद किया जाता है, तो इसका नुकसान आखिरकार ईरान को भी उठाना पड़ेगा। अखबार के मुताबिक, इन समुद्री मार्गों को बंद करने से ईरान को कुछ समय के लिए रणनीतिक बढ़त जरूर मिल सकती है, लेकिन यह कोई स्थायी फायदा नहीं होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कुछ हफ्तों तक गंभीर रुकावट का सामना कर सकती है। लेकिन अगर यह संकट कई महीनों तक जारी रहा, तो वैश्विक आर्थिक दबाव काफी बढ़ जाएगा और बड़ी शक्तियों के दखल की संभावना भी बहुत अधिक हो जाएगी। अमेरिका में पेट्रोल की कीमत फिर बढ़ीं, डॉलर4 प्रति गैलन हुआ- अमेरिका-ईरान युद्ध का असर अब तेल बाजार पर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत फिर 4 डॉलर (करीब 345 रुपए) प्रति गैलन यानी लगभग 91 रुपए प्रति लीटर के बराबर पहुंच गई है। ईरान अमेरिकी युद्धपोतों और इजराइल पर सीधे हमला क्यों नहीं कर रहा? अमेरिका के लगातार हमलों के जवाब में ईरान कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले कर रहा है। लेकिन उसने अब तक खाड़ी में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों या इजराइल पर सीधे बड़े हमले नहीं किए हैं। डिफेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसके पीछे रणनीतिक वजहें हैं। 1. अमेरिकी युद्धपोत पर हमला मतलब सीधी बड़ी जंग- लेबनान के रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल एलियास हन्ना के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोत या एयरक्राफ्ट कैरियर पर हमला करता है, तो अमेरिका बेहद बड़े सैन्य अभियान के साथ जवाब दे सकता है। इससे जंग कई गुना बढ़ सकती है। 2. अमेरिकी नौसैनिक बेड़े तक पहुंचना आसान नहीं-समुद्र में तैनात अमेरिकी युद्धपोत अत्याधुनिक एयर डिफेंस, मिसाइल सिस्टम और कई सुरक्षा परतों से लैस होते हैं। इन्हें निशाना बनाना जमीन पर मौजूद सैन्य ठिकानों की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल माना जाता है। 3. खाड़ी देशों पर दबाव डालकर अमेरिका को संदेश- ईरान ऐसे देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है, जहां अमेरिकी सेना तैनात है। इससे अमेरिका पर दबाव बढ़ता है, लेकिन सीधे अमेरिकी मुख्य सैन्य संपत्तियों पर हमला करने जैसी स्थिति नहीं बनती। 4. होर्मुज स्ट्रेट खुला रखना भी मजबूरी-दुनिया के करीब 20फीसदी तेल का कारोबार होर्मुज स्ट्रेट से होता है। अगर युद्ध पूरी तरह समुद्र तक फैलता है, तो तेल सप्लाई और वैश्विक व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। ऐसे में ईरान भी संघर्ष को एक सीमा में रखने की कोशिश कर रहा है।

नेपाल में एक रुपए के सिक्के से विवादित-नक्शा नहीं हटेगा, नई डिजाइन का प्रस्ताव लौटाया, इसमें भारत के इलाकों को अपना दिखाया

काठमांडू। यह महसूस किया गया कि बौद्ध विरासत को पर्याप्त जगह नहीं मिली है। इसलिए घर मठ को चुना गया क्योंकि इसका ऐतिहासिक महत्व बहुत बड़ा है। साथ ही इससे मुस्तांग में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।' लो घेकर मठ नेपाल के अपर मुस्तांग में स्थित है। माना जाता है कि इसकी स्थापना आठवीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभव (गुरु रिनपोछे) ने की थी। इतिहासकार इसे नेपाल के सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक ही नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में भी गिनते हैं। 1 रुपए को बनाने में 2 रुपए से ज्यादा खर्च-नेपाल राष्ट्र बैंक कैबिनेट के निर्देश के मुताबिक नया डिजाइन तैयार करेगा, जिसमें राष्ट्रीय नक्शा और लो घेकर मठ दोनों होंगे। सरकार की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही नए सिक्के की ढलाई शुरू होगी। नेपाल राष्ट्र बैंक एक रुपए के सिक्के की धातु और

वजन बदलने की तैयारी भी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस समय एक रुपए का एक सिक्का बनाने में दो रुपए से भी ज्यादा खर्च आता है। इसलिए इसका उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन गया है। नई डिजाइन में सिक्के का वजन भी कम किया जाएगा, जिससे निर्माण लागत घटेगी। 10 रुपए के सिक्के की डिजाइन भी बदलेगी-इसके अलावा 10 रुपए के सिक्के पर दैलेख के भुर्ति देवल मंदिर समूह को शामिल करने का प्रस्ताव भी विचार चल रहा है।नेपाल राष्ट्र बैंक 10 रुपये के सिक्के का डिजाइन भी बदलने पर विचार कर रहा है। प्रस्ताव के अनुसार इस सिक्के पर दैलेख जिले के भुर्ति देवल मंदिर समूह की तस्वीर हो सकती है। यह 22 मंदिरों का समूह है, जिसका निर्माण 14वीं और 15वीं शताब्दी में खास मल्ल शासकों के समय हुआ था। नेपाल में मुद्रा के डिजाइन बदलने का इतिहास भी पुराना है। राजशाही के दौर में नोटों और सिक्कों पर राजा महेंद्र, राजा बीरेन्द्र और राजा ज्ञानेन्द्र की तस्वीरें छपी होती थीं। लेकिन वर्ष 2006 के राजनीतिक बदलाव के बाद इनकी जगह माउंट एवरेस्ट, वन्यजीव, राष्ट्रीय स्मारक और सांस्कृतिक प्रतीकों को शामिल किया गया।नेपाल में सिक्के को अपनाने की मंजूरी कैसे मिलती है-नेपाल राष्ट्र बैंक अधिनियम और नेपाल राष्ट्र बैंक नोट एवं सिक्का नियमावली के मुताबिक किसी भी नए नोट या सिक्के के डिजाइन को लागू करने से पहले कई चरणों वाली मंजूरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सबसे पहले नोट और सिक्का डिजाइन समिति डिजाइन तैयार करती है। इस समिति में गवर्नर, डिप्टी गवर्नर, इतिहासकार, पुरातत्वविद, भाषाविद और अन्य विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इसके बाद डिजाइन को नेपाल राष्ट्र बैंक का निदेशक मंडल मंजूरी देता है। फिर इसे वित्त मंत्रालय के माध्यम से अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिपरिषद के पास भेजा जाता है।कैबिनेट की मंजूरी के बिना किसी नई या बदली डिजाइन वाले नोट या सिक्के को जारी नहीं किया जा सकता। 2020 के नक्शे के बाद उठा विवाद-भारत-नेपाल सीमा विवाद 2020 में हुई थी। भारत ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे तक सड़क का उद्घाटन किया। नेपाल ने इसका विरोध करते हुए मई 2020 में नया राजनीतिक नक्शा जारी किया, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र का हिस्सा दिखाया। इसके बाद जून 2020 में नेपाल की संसद ने संविधान संशोधन कर इस नक्शे को आधिकारिक मान्यता दे दी।

तब से यही नक्शा सरकारी दस्तावेजों, स्कूल की किताबों, पासपोर्ट, 100 रुपए के नोट और 1 व 2 रुपए के सिक्कों पर इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद सरकार ने नए 1 रुपए के सिक्के की डिजाइन में भी इसी आधिकारिक नक्शे को बनाए रखने का फैसला किया। भारत ने नेपाल के इस कदम पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

भारत का कहना है कि कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा भारतीय क्षेत्र हैं और सीमा विवाद का समाधान दोनों देशों के बीच बातचीत से होना चाहिए, न कि एकतरफा नक्शा बदलकर।

चीन में डिलीवरी बॉय को सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान मिला-ग्राहक की डांट के बाद बने लेखक, खाना पहुंचाते हुए कई कविताएं लिखीं

आर्थिक तंगी के कारण उन्हें 14 साल की उम्र में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने निर्माण मजदूर, कबाड़ बीनने वाले और

सड़क किनारे सामान बेचने जैसे कई छोटे-मोटे काम किए। बाद में वे फूड डिलीवरी राइडर बन गए। हालांकि, पढ़ने-लिखने का उनका शौक कभी खत्म नहीं हुआ। 2022 में उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। यह कविता 2019 की एक घटना से प्रेरित थी। उस समय वह जियांगसू के कुनशान शहर में फूड डिलीवरी का काम कर रहे थे। एक ग्राहक ने गलत पता दर्ज कर दिया था। सही घर ढूंढने के लिए वांग को तीन रिहायशी इमारतों में भटकना पड़ा और 18 मंजिल तक सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं। जब वह आखिरकार खाना लेकर पहुंचे तो ग्राहक ने देर होने पर उन्हें डांट दिया। घर लौटते समय उन्होंने अपनी नाराजगी और दर्द को शब्दों में ढाल दिया। इसी से उनकी कविता 'मैन इन ए हरी' जन्मी। यह कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यही से उनके साहित्यिक सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद 2023 में उनका पहला कविता संग्रह 'मैन इन ए हरीः पोएम्स ऑफ ए फूड डिलीवरी राइडर' प्रकाशित हुआ। इस किताब की एक कविता की एक पंक्ति है-'सड़क पर दौड़ता हर आम इंसान अपने हाथ में एक छोटी-सी रोशनी लिए चलता है। यही रोशनी पहले हमें रास्ता दिखाती है और फिर धीरे-धीरे पूरी दुनिया को रोशन कर देती है।' 6 हजार से ज्यादा

कविताएं लिख चुके वांग-अब तक वह 6 हजार से अधिक कविताएं लिख चुके हैं। उनकी कई रचनाएं प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। वांग कहते हैं, 'लोग शायद मुझे याद न रखें, लेकिन उन्हें तेज रफ्तार से गुजरता एक फूड डिलीवरी राइडर जरूर याद रहता है।' यही सोच उन्हें लाखों डिलीवरी कर्मियों की जिंदगी पर किताब लिखने की प्रेरणा बनी। वांग का कहना है-'मैं चाहता हूं कि इस किताब को पढ़ने के बाद लोग डिलीवरी राइडर्स के प्रति ज्यादा समझदारी और धैर्य दिखाएं, ताकि उनके साथ होने वाले विवाद कम हों।' पुरस्कार मिलने के बाद भी नौकरी नहीं छोड़ेंगे-पुरस्कार जीतने के बाद वांग ने सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स से कहा कि पुरस्कार मिलने की खबर आने तक वे बेहद घबराए हुए थे। उन्होंने बताया कि मीडिया का बढ़ता ध्यान उनके लिए मानसिक दबाव भी लेकर आया।उन्होंने साफ किया कि पुरस्कार मिलने के बावजूद वे अपनी नौकरी नहीं छोड़ेंगे। उनका कहना है कि वे 60 साल की उम्र तक फूड डिलीवरी का काम जारी रखना चाहते हैं। वांग ने कहा-'अब मुझे जीवनयापन के लिए इस नौकरी की जरूरत नहीं है, लेकिन मुझे यह काम पसंद है। इससे मैं सक्रिय और फिट रहता हूं। मैं जमीन से जुड़ी जिंदगी जीना चाहता हूं और यह पुरस्कार मुझे नहीं बदलेगा।'

चीन में बढ़ रही है मजदूर लेखकों की पहचान-वांग जिबिंग उन ब्लू-कॉलर कामगारों की नई पीढ़ी का हिस्सा हैं, जिन्हें हाल के कुछ साल में उनके साहित्यिक लेखन के लिए पहचान मिली है। उनकी रचनाएं चीन की तेजी से बढ़ती गिग इकोनॉमी में काम करने वाले लाखों लोगों के संघर्ष, दबाव और जीवन की सच्चाई को सामने लाती हैं। साल 2023 में पूर्व डिलीवरी कर्मी हू आनयान की आत्मकथा 'आई डिलीवर पार्सल्स इन बीजिंग' प्रकाशित हुई थी। यह किताब चीन में बेस्टसेलर बनी और विदेशों में भी चर्चा का विषय रही। पिछले साल इसका अंग्रेजी अनुवाद भी प्रकाशित हुआ। इसी तरह 2017 में प्रवासी मजदूर फान यूसु का आत्मकथात्मक लेख 'आई एम फान यूसु' चीन में इंटरनेट पर जबरदस्त वायरल हुआ था। इसे इतनी बड़ी प्रतिक्रिया मिली कि लगातार मीडिया की भीड़ से बचने के लिए फान को कुछ समय के लिए अपना घर तक छोड़ना पड़ा। लू शुन चीन का सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान-वांग जिबिंग को जिस लू शुन साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, उसका नाम चीन के महान साहित्यकार लू शुन के नाम पर रखा गया है। उन्हें 20वीं सदी के चीन का सबसे प्रभावशाली लेखक माना जाता है। उन्होंने अपने व्यंग्यात्मक उपन्यासों और कहानियों के जरिए पारंपरिक चीनी समाज की कमियों और सामाजिक बुराइयों पर हमला बोला। लू शुन साहित्य पुरस्कार का आयोजन चाइना राइटर्स एसोसिएशन करता है। यह पुरस्कार हर चार साल में दिया जाता है और इसे चीन के सबसे बड़े साहित्यिक सम्मानों में गिना जाता है। इसकी शुरुआत समकालीन चीनी साहित्य की उत्कृष्ट रचनाओं को सम्मानित करने के लिए की गई थी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह पुरस्कार लंबे समय से चीन के मुख्यधारा के साहित्य का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता रहा है और साहित्य जगत में इसका खास महत्व है।

क्या आप भी रोज चिप्स खाते हैं,डोपामिन के साथ बढ़ती डायबिटीज, हार्ट डिजीज का खतरा, क्रेविंग कम करने की 13 टिप्स

नयी दिल्ली। आज की फास्ट लाइफस्टाइल में चिप्स और फ्रेंच फ्राइज सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि आदत बन चुके हैं। हल्की भूख हो, मूवी देखनी हो या बस टाइम पास करना हो, हाथ अपने-आप पैकेट

की तरफ बढ़ जाता है। लेकिन स्वाद और क्रंच के पीछे छिपा सच इतना हल्का नहीं है। रोजाना खाए जाने वाले ये चिप्स धीरे-धीरे शरीर के अंदर कई गंभीर बदलाव शुरू कर देते हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ

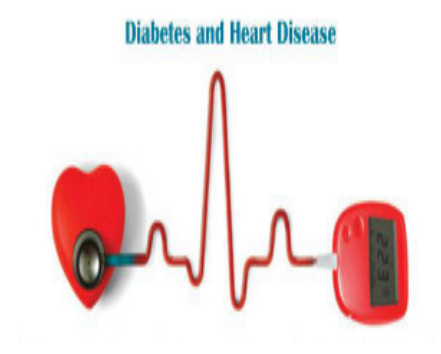

मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, चिप्स में मौजूद हाई सैचुरेटेड फैट से हाइपरटेंशन, कोरोनरी हार्ट डिजीज और डायबिटीज की रिस्क बढ़ता है। ये एक गंभीर चेतावनी है, क्योंकि बहुत से लोग स्नैक की तरह रोजाना चिप्स खाते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम डेली चिप्स खाने के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे।

डायबिटीज का खतरा-रिफाइंड कार्ब्स तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। बार-बार शुगर स्पाइक होता है। इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है। रिजल्ट- टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ता है। 6. ब्रेन और मूड पर असर-हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' स्पाइक होता है। इससे अच्छा महसूस होता है। बार-बार खाने की क्रेविंग बढ़ती है। रिजल्ट- मूड स्विंग और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। लंबे समय में फोकस और मेमोरी पर असर पड़ता है।

7. डाइजेस्टिव सिस्टम-फाइबर नहीं होता है। ज्यादा खाने से गट माइक्रोबायोम बिगड़ता है। गुना तक ज्यादा होता है। सवाल- क्या रोज चिप्स खाने से इसकी लत भी लग सकती है? जवाब- हां, चिप्स में नमक, फैट और फ्लेवर का ऐसा कॉम्बिनेशन होता है, जो ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' बढ़ाता है। इससे बार-बार खाने की क्रेविंग पैदा होती है, जो धीरे-धीरे लत में बदल सकती है। सवाल- क्या चिप्स छोटे बच्चों के लिए ज्यादा नुकसादायक है? जवाब- हां, छोटे बच्चों के लिए चिप्स ज्यादा नुकसानदायक है, क्योंकि उनका शरीर और इम्यून सिस्टम डेवलपिंग फेज में होता है। बच्चे का विकास प्रभावित हो सकता है। किडनी और हार्ट पर दबाव पड़ता है। दांतों में कैविटी हो सकती है। ज्यादा खाने से वजन तेजी से बढ़ता है। जंक फूड की आदत से इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। भूख कम लगती है। ब्रेन डेवलपमेंट प्रभावित हो सकता है। मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज और हाई बीपी का रिस्क बढ़ता है। सवाल- किन लोगों को चिप्स या अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड से ज्यादा सावधान रहना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों के लिए चिप्स और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स ज्यादा नुकसानदायक हो सकते हैं। इसलिए इन्हें खास सावधानी रखनी चाहिए। जैसेकि- जो हार्ट पेशेंट्स हैं। जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर है। जिन्हें किडनी डिजीज

साथ ही जानेंगे कि- जब हम चिप्स खाते हैं तो शरीर में क्या होता है? चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? सवाल- अगर कोई रोज चिप्स खाए तो उससे शरीर पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शुरुआत में यह मामूली आदत लग सकती है, लेकिन धीरे-धीरे इसका शरीर पर नकारात्मक असर पड़ता है। सवाल- चिप्स खाने से इन बीमारियों का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1. मोटापा (ओबिसिटी) चिप्स में कैलोरी और फैट हाई होता है। 50 ग्राम चिप्स में करीब 400 कैलोरी होती है। इसे खाने के बाद सेटायटी (संतुष्टि) नहीं होती। चिप्स का सारा फैट पेट और कमर पर जमा होता है। रिजल्ट- इससे मोटापा, फैटी लिवर, हॉर्मोनल असंतुलन का रिस्क बढ़ जाता है। 2. हार्ट डिजीज- चिप्स में ट्रांस फैट प्लस सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) बढ़ता है। गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) घटता है। आर्टरीज में फैट जमने लगता है। रिजल्ट- हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है-3. हाई ब्लड प्रेशर-चिप्स में नमक बहुत ज्यादा होता है। इससे शरीर में वाटर रिटेंशन होता है और ब्लड वॉल्यूम बढ़ता है। रिजल्ट- बीपी बढ़ता है। इससे हार्ट और किडनी पर दबाव बढ़ता है। 4. किडनी पर रिजल्ट- कब्ज, गैस, ब्लोटिंग की समस्या होती है। इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। 8. कैंसर का रिस्क- हाई टेम्परेचर पर तलने से एक्रिलामाइड नामक केमिकल बनता है। यह शरीर के लिए टॉक्सिक माना जाता है रिजल्ट- लंबे समय में कैंसर का रिस्क हो सकता है। 9. इम्यूनिटी पर असर- ट्रांस फैट इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता को कम करता है। इससे शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। रिजल्ट- धीरे-धीरे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। सवाल- अगर कोई रोज एक पैकेट (48 ग्राम) चिप्स खाए तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और पाम ऑयल खाएगा? जवाब- 48 ग्राम के एक पैकेट चिप्स में औसतन 1.3 ग्राम नमक, 11.4 ग्राम चीनी और 46 ग्राम पाम ऑयल (फैट) होता है। अगर कोई एक पैकेट चिप्स रोज खाता है तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और तेल कंज्यूम करेगा। चिप्स में नमक, चीनी और तेल के अलावा कई हिडेन कंपाउंड्स होते हैं, जो लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- क्या कोई ऐसी साइंस स्टडी या रिसर्च है, जो बताए कि चिप्स खाना सेहत के लिए नुकसानदायक है? जवाब- हां, आपको शायद ये जानकर आश्चर्य हो कि अब तक लाखों है। जो मोटापा या ओवरवेट से परेशान हैं। जो डायबिटिक या प्री-डायबिटिक हैं। जो वेट लॉस कर रहे हैं।छोटे बच्चे गर्भवती महिलाएं बुजुर्ग सवाल- पैकेट वाले चिप्स और घर के बने चिप्स में क्या फर्क है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पैकेट चिप्स फैक्ट्री में बनते हैं। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड होते हैं। नमक, फ्लेवर और प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। रिफाइंड/बार-बार इस्तेमाल किया तेल रीयूज किया जाता है। ज्यादा खाने की क्रेविंग बढ़ाते हैं। घर पर बने चिप्स ताजे आलू से बने होते हैं। नमक और मसाले सीमित होते हैं। कोई केमिकल या प्रिजर्वेटिव नहीं होता है। तेल की क्वालिटी और मात्रा ठीक होती है। ध्यान रखें- चिप्स चाहे पैकेज्ड हों या घर पर बने हों, ये रोज खाने के लिए सही नहीं हैं। घर के बने चिप्स कभी-कभार खा सकते हैं।सवाल- चिप्स का हेल्दी विकल्प क्या है? जवाब- कुछ हेल्दी और टेस्टी विकल्प हैं, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं, सवाल- चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? जवाब- चिप्स खाने की आदत क्रेविंग और हैबिट से जुड़ी होती है। इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ स्मार्ट तरीके अपनाना जरूरी है। डॉक्टर साकेत कांत के मुताबिक, महीने में 1-2 बार खा सकते हैं। लेकिन रोज या बार-बार खाना बेहद नुकसानदायक है।

हमारी शादी हुई हैं जल्द ही हम माता-पिता बनने वाले हैं पर अनुभव की कमी हैं,अच्छा अभिवावक बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है?

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, टिप्स दे सकते हैं कि हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं अहमदाबाद से हूं। मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। जल्द ही हम पेरेंट बनने वाले हैं। जाहिर है, इस कारण हमारी एंग्जाइटी भी थोड़ी बढ़ी हुई है। हम पेरेंटिंग पर तमाम किताबें पढ़ रहे हैं, पॉडकास्ट सुन रहे हैं। हालांकि ये सब पढ़ना-सुनना और कनफ्यूज कर रहा है। क्या आप हमें कुछ बेसिक जवाब- सबसे पहले आप दोनों को इस नई यात्रा के लिए बहुत बधाई। पढ़कर खुशी हुई कि आप इस नई जिम्मेदारी से पहले खुद को तैयार कर रहे हैं। अवेयरनेस ही अच्छी पेरेंटिंग की पहली सीढ़ी है। सबसे पहले तो ये समझिए कि जब बच्चा दुनिया में आता है तो उसे सुख-सुविधाओं वाले पेरेंट्स से ज्यादा हैप्पी पेरेंट्स की जरूरत होती है। माता-पिता का खुश रहना ही बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत तोहफा है। पढ़ना और पॉडकास्ट सुनना अच्छी बात है, क्योंकि ये हमें दिशा देते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि पेरेंटिंग की असली नींव किसी ट्रेंड या तकनीक पर नहीं, बल्कि घर वियतनामी बौद्ध भिक्षु और मशहूर राइटर तिक न्यात हन्ह ने अपनी किताब 'फिडिलिटी: हाउ टू क्रिएट लविंग के माहौल पर टिकी होती है। बच्चा सबसे पहले अपने आसपास के वातावरण से ही सीखता है। अच्छी पेरेंटिंग कोई

रिलेशनशिप दैट लास्ट्स' में इस बारे में लिखा है-किताबें हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग करना या सुपर मॉम-डैड होना नहीं है। सजावट से करते हैं। लेकिन भावनात्मक तैयारी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि पेरेंटिंग की असली शुरुआत बच्चे के जन्म से पहले हमारी सोच, हमारे रिश्ते और हमारे धैर्य से हो जाती है। ऐसे में नए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे खुद को मानसिक रूप से तैयार करें। यह समझें कि पेरेंटिंग कोई परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह सीखने की निरंतर प्रक्रिया है। आप जितने मजबूत और संतुलित होंगे, बच्चे को उतना ही सुरक्षित और खुशहाल माहौल दे पाएंगे। इस तैयारी को आसान बनाने के लिए यह छोटी-सी चेकलिस्ट मददगार हो सकती है-इमोशनली तैयार रहें पेरेंटिंग सिर्फ फिजिकल नहीं, इमोशनल जिम्मेदारी भी है। बच्चे के आने के बाद आपकी नींद, रूटीन और प्राथमिकताएं बदलती हैं। अगर आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे तो बदलाव को स्वीकार करना आसान होगा और बच्चे को ज्यादा स्थिर माहौल दे पाएंगे। अपने रिश्ते में मधुरता रखें-बच्चे बड़े होते हुए पेरेंट्स के रिश्ते को देखते और महसूस करते हैं। अगर घर में आपसी सम्मान और प्यार है तो वही उनके व्यवहार में भी झलकता है। पार्टनर के साथ स्वस्थ और संतुलित रिश्ता बनाए रखना पेरेंटिंग का अहम हिस्सा है। सुनने की आदत डालें-अक्सर पेरेंट्स बच्चों को समझाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उन्हें सुनने पर कम। लेकिन एक अच्छा पेरेंट वही है, जो बच्चे की बातों, भावनाओं और छोटे-छोटे एक्सप्रेशंस को ध्यान से समझे। इससे बच्चे को यह महसूस होता है कि उसकी बात मायने रखती है। इसलिए अभी से सुनने की आदत डालें। धैर्य का अभ्यास करें-बच्चे तुरंत नहीं सीखते, वे धीरे-धीरे समझते हैं। एक ही गलती बार-बार दोहराते हैं। ऐसे में गुस्सा करने की बजाय धैर्य रखना जरूरी है।आपका शांत-सरल व्यवहार ही बच्चे को सही मार्गदर्शन देता है। गलतियां स्वीकारना सीखें-कोई भी पेरेंट परफेक्ट नहीं होता। अगर गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें। इससे बच्चा भी अपनी गलतियों को स्वीकारना सीखता है और रिश्ते में भरोसा बढ़ता है। पेरेंटिंग को 'प्रोजेक्ट' न समझें- पेरेंटिंग कोई टास्क या प्रोजेक्ट नहीं है, जिसे परफेक्ट तरीके से पूरा करना है।

पेरेंट होने की जो एकदम बेसिक जिम्मेदारी है, वो है बच्चे को अनकंडीशनल प्यार और सिक्योरिटी देना।अक्सर हम बच्चे के आने की तैयारी कपड़ों, खिलौनों और कमरे की

नेचुरल लैक्सेटिव,कब्ज से दिलाए राहत,पाचन रखे दुरुस्त एक्सपर्ट से जानें डाइट में कैसे शामिल करें

नयी दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में खराब लाइफस्टाइल और अनियमित खानपान के कारण कब्ज एक कॉमन समस्या बन गई है। अगर लंबे समय तक कब्ज बना रहे तो इससे बॉडी फंक्शनिंग और ओवरऑल हेल्थ प्रभावित होती है। 'एबॉट' की गट हेल्थ सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 22फीसदी वयस्कों को कब्ज है। इनमें से 13फीसदी लोग गंभीर रूप से प्रभावित हैं। अक्सर लोग कब्ज से राहत के लिए दवाएं लेते हैं। जबकि नेचुरल लैक्सेटिव कब्ज से राहत दिला सकते हैं। ये ऐसे फूड या सब्सटेंस होते हैं, जिससे बाउल मूवमेंट सुधरता है। इससे स्टूल सॉफ्ट हो जाता है और कब्ज की समस्या नहीं होती है। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि-नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं? ये शरीर में कैसे काम करते हैं? किन फूड्स में नेचुरल लैक्सेटिव होता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नृपेन साइकिया, सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लैक्सेटिव क्या होते हैं? जवाब- लैक्सेटिव यानी ऐसी दवाएं या खाने की चीजें, जो कब्ज में राहत देकर पेट साफ करने में मदद करती हैं। लैक्सेटिव अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। आमतौर पर डॉक्टर पेट साफ न होने पर लैक्सेटिव्स देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं?जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव यानी ऐसी नेचुरल चीजें जो पेट साफ करने में मदद करती हैं। इसमें फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, होल ग्रेन्स शामिल हैं। आर्टिफिशियल लैक्सेटिव की तरह इनमें केमिकल नहीं होता है। ये आमतौर पर रोजमर्रा के खाने का ही हिस्सा होते हैं और धीरे-धीरे, नेचुरल तरीके से कब्ज में राहत देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में कैसे काम करते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में दो तरह से काम करते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और पानी स्टूल (मल) को मुलायम बनाते हैं, जिससे ये आसानी से पास हो सकें। कुछ नेचुरल ऑप्शन आंतों की हल्की मूवमेंट बढ़ाकर बॉवेल को नियमित रखते हैं। सवाल- कौन से फूड्स नेचुरल लैक्सेटिव होते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव वो फाइबर रिच फूड होते हैं, जो पेट को साफ रखने में मदद करते हैं। कुछ फल नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करते हैं। पपीता, अमरूद, सेब (छिलके सहित), नाशपाती, केला (पका हुआ), संतरा, मौसंबी, अंगूर, कीवी और अनार जैसे फल फाइबर से भरपूर होते हैं। फाइबर स्टूल का वॉल्यूम बढ़ाता है और उसे सॉफ्ट बनाता है, जिससे बाउल मूवमेंट आसान हो जाती है। इसके अलावा इन फलों में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखती है और कब्ज की समस्या कम करती है। अंजीर (ताजा/सूखा) अंजीर में हाई फाइबर होता है, खासकर इसके छोटे-छोटे बीज आंतों को स्टिमुलेट करते हैं। यह स्टूल को सॉफ्ट बनाता है और आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए इसे पहले के समय में कब्ज के घरेलू उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। प्रून्स (सूखा आलूबुखारा) प्रून्स में एक नेचुरल तत्व 'सॉर्बिटोल' होता है।

अमिताभ बच्चन हुए अस्पताल में भर्ती, ब्लॉग में सर्जरी और आईसीयू का जिक्र, लिखा- जो डटे रहते हैं, वे चैंपियन

मुंबई। अमिताभ बच्चन ने सोमवार को अपने ब्लॉग में अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी और आईसीयू में एडमिट होने का जिक्र किया।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह कब, किस अस्पताल में, कितने दिन और क्यों भर्ती थे। इसी साल मई में अमिताभ बच्चन के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें सामने आई थीं। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'अस्पताल में, एक सर्जरी के बाद और आईसीयू में, अनुभवी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखभाल में, फिर अस्पताल से छुट्टी और घर वापसी। यह घर वापसी का दौर सबसे मुश्किल होता है। शारीरिक रूप से, मानसिक रूप से और रोजमर्रा की जिंदगी के लिहाज से भी। आप एक सम्मानित चैंपियन रहे हों और एक दिन हार आपके सामने खड़ी हो जाए। यह जिंदगी का सबसे कठिन दौर होता है।'उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ लोग इसका बहादुरी से सामना करते हैं। कुछ हार मान लेते हैं। जो लोग हिम्मत नहीं छोड़ते और डटे रहते हैं, वे हमेशा चैंपियन बने रहते हैं। और जो ऐसा नहीं कर पाते, वे अपनी पुरानी उपलब्धियों के सहारे जिंदगी बिताते हैं। यह हर इंसान की अपनी-अपनी पसंद होती है। दोनों में कुछ भी गलत नहीं है। स्वस्थ रहें, खुश रहें।' ब्लॉग पोस्ट के बाद अमिताभ बच्चन ने सोमवार देर रात एक्स पर लिखा, 'टी-5806 - खेल समाप्त हो गया! पर काम चल रहा है।' अमिताभ के अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया गया था-'19 मई को अमिताभ बच्चन के मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती होने का दावा पत्रकार विक्की ललवानी ने अपने यूट्यूब चैनल पर किया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें 16 मई को भर्ती करवाया गया है।' विक्की ललवानी ने यह भी कहा था कि वह खबर कन्फर्म करने मंगलवार शाम नानावटी अस्पताल पहुंचे थे। बिग बी को ए-विंग की तीसरी मंजिल पर रखा गया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि अभिषेक बच्चन भी पिता को देखने अस्पताल पहुंचे थे। सामने आया था कि अमिताभ को रूटीन चेकअप के लिए 16 मई को नानावटी अस्पताल ले जाया गया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।